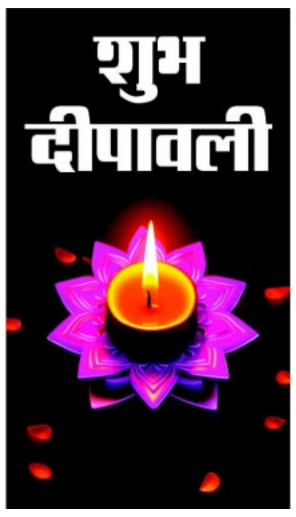

E-Paper : www.goodluckpublications.com, www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 93 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 1 नवंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अब एक देश, एक चुनाव और एक देश, एक समान नागरिक संहिता पर हो रहा काम : पीएम — पेज 2

एसटीएफ के आईजीपी समेत छह केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक से सम्मानित — पेज 3

बीस से अधिक ई-मित्र संचालकों को पुलिस ने किया डिटेन — पेज 5

मुझे नहीं लगता कि स्पिन के खिलाफ हमारी कुशलता में कोई कमी आई है : गौतम गंभीर — पेज 7

सुप्रभात

मंत्रणा को गुप्त रखने से ही कार्य सिद्ध होता है।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

भाजपा के सबसे पुराने कार्यकर्ता का 111 वर्ष की आयु में निधन

कुशीनगर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर से तत्कालीन जनसंघ के टिकट पर दो बार विधायक चुने गए श्रीनारायण उर्फ भुलई भाई का गुरुवार की रात सात बजे निधन हो गया। वे 111 वर्ष के थे। वह दो माह से बीमार थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 अप्रैल 2020 को सुबह टेलीफोन के माध्यम से उनका हाल चाल लिया था। उनको प्रणाम किया और शताब्दी पार करने की शुभकामना दी थी। भाजपा के सबसे पुराने कार्यकर्ता भुलई भाई -शेष पृष्ठ दो पर

मुजफ्फरपुर में बेपटरी हुई मालगाड़ी की तीन बोगियां

पटना (हि.स.)। बिहार में सोनपुर रेल मंडल के मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर रेलखंड के नारायणपुर रेलवे स्टेशन पर मालगाड़ी की तीन बोगियां पटरी से उतर गईं। इस हादसे के बाद रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया। यह हादसा नारायणपुर रेलवे स्टेशन के पास गुमटी नंबर 98 पर हुआ, जहां तेल टैंकरों को खाली करने के बाद यार्ड में प्लेसमेंट के लिए वापस ले जाया जा रहा था। इसी दौरान अचानक मालगाड़ी की तीन बोगियां पटरी से उतर गईं, जिससे रेल परिचालन -शेष पृष्ठ दो पर

उत्तर से दक्षिण तक...

दिवाली पर रोशन हुआ पूरा देश

नई दिल्ली। देशभर में आज दिवाली की धूम है और लोग पूरे हर्षोल्लास से दीपोत्सव मना रहे हैं। मंदिरों में लोग भगवान का आशीर्वाद लेने पहुंच रहे हैं। बाजारों में खरीददारों की भारी भीड़ है। उत्तर से दक्षिण तक पूरा देश दिवाली से रोशन है। शाम को खुशियों के दीप रोशन हुए हैं। केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन ने भी चेन्नई में दिवाली का उत्सव मनाया। इस दौरान उन्होंने पटाखे भी फोड़े। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज पूरा देश दिवाली मना रहा है। यह दिवाली हर किसी के लिए खास है क्योंकि सभी की उम्मीदें और सभी के सपने इस सरकार द्वारा पूरे किए जा रहे हैं। हमारे प्रधानमंत्री ने राम मंदिर के निर्माण का अभियान शुरू किया था। जब राम मंदिर का निर्माण पूरा हो गया है और मंदिर देश को समर्पित कर दिया गया है तो उसके बाद यह पहली दिवाली है। यही वजह है कि मैंने कहा कि इस बार की दिवाली सभी के लिए खास है। -शेष पृष्ठ दो पर

रक्षा मंत्री ने जवानों के साथ मनाई दिवाली

तेजपुर। देश में कल दिवाली का जश्न मनाया जाएगा लेकिन उससे पहले ही तमाम जगहों पर दिवाली का जश्न मनाया जा रहा है। वहीं असम के तेजपुर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज सेना के जवानों के साथ दिवाली मनाई हैं। ये कार्यक्रम तेजपुर के मेघना स्टेडियम में आयोजित किया गया। इस दौरान उन्होंने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और अन्य जवानों के साथ फुलझड़ियां भी जलाई। वहीं दिवाली के मौके पर तेजपुर के मेघना स्टेडियम में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसका रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी समेत सेना के तमाम वरिष्ठ लुत्फ उठाया। वहीं इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे दिवाली की पूर्व संध्या पर आप लोगों के बीच आने का

अवसर मिला। आज मेरा तवांग में होना तय था। मेरा *बड़ाखाना* भी तवांग में ही वहां के वीर जवानों के साथ होना तय था। लेकिन शायद भगवान को यह नहीं चाहिए था। वह -शेष पृष्ठ दो पर

भारत और चीन के सैनिकों ने एक-दूसरे को दी मिठाई

तेजपुर। भारत और चीन के बीच सीमा पर हालात लगातार सुधर रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान से भी इस बात को और बल मिला है। दीवाली के मौके पर जवानों के बीच उन्होंने कहा कि दोनों देशों के सैनिकों की सीमा से पीछे हटने की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। इस बीच सीमा से जवानों ने भी सुधरते रिश्तों का संकेत दिया, जहां दोनों देशों के सैनिकों ने दीवाली के मौके पर एक दूसरे को मिठाई दी। सूत्रों के अनुसार भारत और चीन के सैनिकों ने चुशुल-मोल्दो सीमा बिंदु पर मिठाइयों का -शेष पृष्ठ दो पर

डीटीसी बस में धमाका, तीन यात्री झुलसे

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका इलाके में एक डीटीसी बस में धमाका हो गया। इस हादसे में तीन यात्रियों के घायल होने की खबर है। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली डीटीसी बस में एक यात्री पोटाश लेकर जा रहा था। इस दौरान द्वारका पहुंचते ही बस में ब्लास्ट हो गया। धमाका इतनी जोर का था कि तीन लोग इसमें झुलस गए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। दिल्ली पुलिस के डीसीपी द्वारका ने बताया -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी सरकार के बदौलत सरदार पटेल के विचार अमर हो गए : सर्वानंद सोनोवाल

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय ने आज राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया। सभी संगठनों ने वर्चुअल रूप से एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने की शपथ ली, जिसके बाद आज यहां कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल हुए हजारों सहयोगियों के साथ केंद्रीय जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने शपथ पढ़ी। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते केंद्रीय बंदरगाह, -शेष पृष्ठ दो पर

महाराष्ट्र विस चुनाव के लिए भरे गए 921 पर्चे रद्द

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 288 सीटों के लिए किए गए 7 हजार 994 नामांकन पत्रों में से 921 नामांकन विभिन्न गलतियों की वजह से रद्द कर दिए गए हैं जबकि 7 हजार 73 नामांकन वैध घोषित किए गए हैं। यह जानकारी मुख्य चुनाव अधिकारी ने दी। महाराष्ट्र में नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख -शेष पृष्ठ दो पर

कमला हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप पर साधा निशाना

वाशिंगटन (हि.स.)। संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव का काउंट डाउन शुरू हो चुका है। पांच नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए मंगलवार रात डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अपने प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप को व्हाइट हाउस के 19वीं सदी के *लॉन एलिप्से* से घेरा। वह उसी स्थान पर खड़ी हुई जहां ट्रंप ने लगभग चार साल पहले भाषण दिया था। ट्रंप ने अपने समर्थकों से यहीं से कैपिटल पर मार्च करने का आग्रह -शेष पृष्ठ दो पर

असम-मेघालय सीमा विवाद

पश्चिमी खासी हिल्स ने 54 लांगपीह गांवों पर क्षेत्रीय अधिकार का दावा किया

शिलांग। पश्चिमी खासी हिल्स की क्षेत्रीय समिति ने दावा किया है कि उसने लांगपीह के अंतर्गत आने वाले 54 गांवों पर मेघालय का क्षेत्रीय अधिकार स्थापित करने के लिए दस्तावेज असम के साथ साझा किए हैं। पश्चिमी खासी हिल्स क्षेत्रीय समिति के अध्यक्ष पॉल लिंगदोह ने प्रेस को बताया कि हाल ही में यहां आयोजित अंतिम बैठक के दौरान ये दस्तावेज साझा

किए गए। लिंगदोह ने कहा कि हमने ये दस्तावेज साझा किए हैं और प्रतिक्रिया सकारात्मक रही है। उन्होंने कहा कि दोनों क्षेत्रीय समितियों (पश्चिमी खासी हिल्स और कामरूप) को संयुक्त रूप से विवादित क्षेत्र का दौरा करने और वहां के लोगों से बातचीत कर उनकी राय जानने की जरूरत है। हालांकि, लिंगदोह ने कहा कि उपायुक्त स्तर सहित विभिन्न चैनलों -शेष पृष्ठ दो पर

आज से बदल जाएंगे मनी ट्रांसफर के नियम

नई दिल्ली (हि.स.)। शुक्रवार यानि 1 नवंबर से मैसेज ट्रेसिबिलिटी और मनी ट्रांसफर से जुड़े कई नियमों में बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। ये बदलाव क्रेडिट कार्ड से लेकर मनी ट्रांसफर और यूपीआई लाइट तक में किए जाएंगे, जिनका असर आम लोगों पर पड़ेगा। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लाइट प्लेटफॉर्म पर कल से दो बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। इन बदलावों के कारण यूपीआई लाइट का इस्तेमाल करने वाले लोग पहले की तुलना -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम पर धोखाधड़ी से चुनाव जीतने का लगाया आरोप

नई दिल्ली। एक तरफ जहां चुनाव आयोग ने हरियाणा चुनाव में किसी भी तरह की अनियमितता के कांग्रेस के आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया है, तो वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक बार फिर से भाजपा पर चुनाव में धांधली का आरोप लगाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पीएम जालसाजी का सहारा लेकर चुनाव जीत रहे हैं। बेंगलुरु में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और देश के पहले उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल को श्रद्धांजलि देने के लिए एक कार्यक्रम में पहुंचे खड़गे ने ईवीएम की प्रमाणिकता पर सवाल उठाया। इस दौरान उन्होंने उद्योगपति एलॉन मस्क के ईवीएम की वास्तविकता पर सवाल उठाने वाले बयान का भी जिक्र किया। खड़गे ने कहा कि तकनीकी विशेषज्ञ मस्क ने कहा है कि ईवीएम को कंप्यूटर के जरिए से बदला और हैक किया जा सकता है। उनका कहना था कि अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस या इटली जैसा कोई भी प्रमुख पश्चिमी देश ईवीएम का उपयोग नहीं करता है। यही नहीं खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी पर लोगों को धर्म और जाति के आधार पर बांटने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी लोगों को एकजुट करने के बजाय उन्हें बांटते हैं। पीएम मोदी पर हमला करते हुए खड़गे ने कहा कि पीएम ने चुनाव नहीं जीता है बल्कि ये सब कुछ धोखाधड़ी है। उन्होंने ने मतदाता सूची से 10,000 नाम हटवा दिए या 10,000 से 20,000 नए नाम जोड़ दिए। यह बात सच है लेकिन सवाल यह है इसे साबित कैसे किया जाए। इसके साथ ही कांग्रेस अध्यक्ष ने ईवीएम का बचाव करने वाले भाजपा नेताओं पर भी तंज किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मार्घेरिटा में ड्रग्स के साथ युवक गिरफ्तार

तिनसुकिया (हिंस)। मार्घेरिटा के माकुमपथार एक नंबर गांव से गुरुवार को मार्घेरिटा पुलिस ने एक युवक को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया। युवक की पहचान माकुमपथार के दीपांकर मान के रूप में हुई है। उसके कब्जे से 36.88 ग्राम प्रतिबंधित ड्रग्स जब्त किया। जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान पर दीपांकर की कार से तलाशी के दौरान उक्त ड्रग्स बरामद की। ड्रग्स को कार के बोनट में छिपाकर रखा गया था। युवक पर लंबे समय से इलाके में ड्रग्स रैकेट चलाने का आरोप है। पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है। उधर ड्रग्स के नशे में उन्मत्त युवक ने एक स्कूटी को आग के हवाले कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना आज सुबह हुई। शिकायत के अनुसार, कुलदीप मोरान नामक एक युवक दो युवतियों के साथ अपनी अल्टो कार (एएस-23जेड-6483) में बैठकर ड्रग्स का सेवन कर रहा था।

एक देश, एक संविधान का संकल्प हुआ पूरा

अब एक देश, एक चुनाव और एक देश, एक समान नागरिक संहिता पर हो रहा काम : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज राष्ट्रीय एकता दिवस पर कहा कि *एक देश, एक संविधान* का संकल्प पूरा करने के बाद अब उनकी सरकार देश में *एक देश, एक चुनाव* और *एक देश, एक समान नागरिक संहिता* को लागू करने की दिशा में काम कर रही है। गुजरात के केवड़िया में राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री र मोदी ने आज सुबह भाग लिया। इस वर्ष के राष्ट्रीय एकता दिवस आयोजन की बैकग्राउंड थीम छत्रपति शिवाजी महाराज का रायगढ़ किला है। प्रधानमंत्री ने संबोधन में अपनी सरकार के एकता की दिशा में किए गए प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने आज बहुत से विषयों को पूरे राष्ट्र में एक समान लागू किया है। इसमें स्वास्थ्य सुविधा, पहचान पत्र, राशन, बिजली ग्रीड जैसे विषय शामिल है। आज पूरे देश में एक संविधान समान रूप से लागू है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने अनुच्छेद-370 हटने के बाद इस बार पहली बार पद भार ग्रहण करते समय संविधान की शपथ ली है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में देश से नक्सलवाद का खात्मा, पूर्वोत्तर में अलगाववादियों को मुख्य धारा में शामिल करना और आतंक को करारा जवाब देने जैसे विषय भी शामिल रहे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने एकता दिवस पर एकता शपथ दिलाई और

एकता दिवस परेड का अवलोकन किया। इस परेड में नौ राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की पुलिस, चार केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, एनसीसी और एक मार्चिंग बैंड की 16 मार्चिंग टुकड़ियां शामिल हुई। विशेष आकर्षणों में एनएसजी की हेल मार्च टुकड़ी, बीएसएफ और सीआरपीएफ के महिला और पुरुष बाइकर द्वारा साहसी प्रदर्शन, बीएसएफ द्वारा भारतीय मार्शल आर्ट के संयोजन पर एक शो, स्कूली बच्चों द्वारा पाइप बैंड शो, भारतीय वायु सेना द्वारा *सूर्य किरण* फ्लाईपास्ट आदि शामिल रहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास और विश्वास की एकता ही *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* के निर्माण की को गति देती है। हमारी हर योजना, नीति और नीयत में एकता प्राण शक्ति है। इसे देखकर सरदार साहब की भी आत्मा जहां होगी हमें अवश्य आशीर्वाद दे रही होगी। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को भी उद्धृत किया। उन्होंने कहा कि वह कहते थे कि विविधता में एक होकर रहने की हमारी क्षमता की लगातार परीक्षा होती रहेगी जिसे हमें हर परिस्थिति में पास करना आवश्यक है। उन्हें खुशी है कि पिछले 10 साल में उनकी सरकार ने विविधता में एकता को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्ष का कालखंड भारत की एकता और अखंडता के लिए अभूतपूर्व उपलब्धियां भरा रहा है। आज सरकार के हर काम हर मिशन में राष्ट्रीय एकता की प्रतिबद्धता दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि आज सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष की शुरुआत हो गई है। अगले दो सालों में देश उनकी उपलब्धियां को उत्सव मनाएगा। इस कालखंड में सरकार की हर पहल और मिशन के माध्यम से राष्ट्रीय एकता की दिशा में किए गए प्रयासों और उपलब्धियां को सम्मान की दिया जाएगा।

आंध्र प्रदेश में पटाखे विस्फोट होने से तीन की मौत, 11 गंभीर रूप से घायल

अमरावती। आंध्र प्रदेश में पटाखों से संबंधित दो दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। गुरुवार को पटाखा विस्फोट में एक व्यक्ति जिंदा जल गया और छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना एलुरु शहर में हुई, जब एक व्यक्ति अपने दोपहिया वाहन पर एक थैले में पटाखे लेकर जा रहा था। पुलिस के अनुसार, गंगनम्मा मंदिर के पास सड़क पर बने गड्ढे में मोटरसाइकिल के टकराने से *प्याज बम* से भरा थैला जमीन पर गिर गया। पटाखे फटने से बाइक सवार की मौत हो गई। इस दुर्घटना में छह अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को एलुरु के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। 24 घंटे से भी कम समय में दूसरी दुर्घटना पुलिस ने कहा कि इस हादसे में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतक का शरीर टुकड़ों में बिखर गया। उसकी पहचान सुधाकर के रूप में हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राज्य में 24 घंटे से भी कम समय में यह दूसरी दुर्घटना है। लोगों ने बताया आंखों देखा हाल घटना स्थल पर मौजूद एक व्यक्ति ने बताया कि विस्फोट इतना जोरदार था कि पूरा इलाका गहरे भूरे रंग के धुएं से भर गया और कागज के टुकड़े इधर-उधर उड़ रहे थे। जैसे ही धुआं छंटता है, विस्फोट में किसी तरह बचकर भागते हुए दो लोग सुरक्षित जगह पर पहुंचते हैं। वहां उन्होंने देखा बाइक तथा शव के हिस्से दूर-दूर तक बिखरे हुए थे। पश्चिमी गोदावरी जिले में बुधवार शाम को एक पटाखा निर्माण इकाई में आग लगने से दो महिलाएं जिंदा जल गईं और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। भारी बारिश और आंधी के दौरान उंद्रजावरम मंडल के सूर्यरावपालम में पटाखा फैक्ट्री में वज्रपात होने से आग लग गई। बिजली गिरने से आग का एक बड़ा गोला बना और जोरदार धमाके हुए, जिससे गांव में दहशत फैल गई। यूनिट में सोलह कर्मचारी काम कर रहे थे और उनमें से दो महिलाएं जलकर मर गईं। मृतक श्रमिकों की पहचान वी. श्रीवल्ली (42) और जी. सुनीता (35) के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल हुए पांच अन्य को तनुकु सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पूसीरे कुछ और त्योहारी स्पेशल ट्रेनों का करेगा परिचालन

गुवाहाटी (हिंस)। मौजूदा त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ के मद्देनजर पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने आठ जोड़ी और त्योहारी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया गया है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने गुरुवार को बताया कि ट्रेन संख्या 05742 (न्यू जलपाईगुड़ी-गोमतीनगर) फेस्टिव स्पेशल 03 से 24 नवंबर तक न्यू जलपाईगुड़ी से 08 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन गोमतीनगर 07:15 बजे पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 05741 (गोमतीनगर- न्यू जलपाईगुड़ी) फेस्टिव स्पेशल 04 से 25 नवंबर तक गोमतीनगर से 09:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन न्यू जलपाईगुड़ी 10:45 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 08626 (रांची- पूर्णिया कोर्ट) फेस्टिव स्पेशल 03 और 10 नवंबर को रांची से 18 बजे रवाना होगी और अगले दिन पूर्णिया कोर्ट 11 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 08625 (पूर्णिया कोर्ट- रांची) फेस्टिव स्पेशल 04 और 11 नवंबर को पूर्णिया कोर्ट से 12:10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन रांची 05:30 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 05738 (कटिहार-गोमतीनगर) फेस्टिव स्पेशल 04 से 25 नवंबर तक कटिहार से 11:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन गोमतीनगर 07:15 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 05737 (गोमतीनगर-कटिहार) फेस्टिव स्पेशल 05 से 26 नवंबर तक गोमतीनगर से 09:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन कटिहार 05 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 08181 (टाटानगर जंक्शन- कटिहार) फेस्टिव स्पेशल 04 और 11 नवंबर को टाटानगर जंक्शन से 22:40 बजे रवाना होगी और अगले दिन कटिहार 15:15 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 08182 (कटिहार- टाटानगर जंक्शन) फेस्टिव स्पेशल 05 और 12 नवंबर को कटिहार से 19:40 बजे रवाना होगी और अगले दिन टाटानगर जंक्शन 10 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 05641 (गुवाहाटी-गोमतीनगर) फेस्टिव स्पेशल 02 नवंबर को गुवाहाटी से 19:40 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन गोमतीनगर 01:50 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 05642 (गोमतीनगर-गुवाहाटी) फेस्टिव स्पेशल 04 नवंबर को गोमतीनगर से 05:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन गुवाहाटी 12 बजे पहुंचेगी।

मुख्यमंत्री ने सरदार पटेल को दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को उनकी जयंती पर याद करते हुए श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के लौह पुरुष, श्रद्धेय सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी जयंती पर उन्हें याद करता हूं। राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाने वाला यह दिवस कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत को एकीकृत करने और राष्ट्र को एक मजबूत नेतृत्व देने में उनके अद्वितीय योगदान का जश्न मनाता है।

बंगाईगांव में पति ने की पत्नी की नृशंस हत्या

बंगाईगांव (हिंस)। दिवाली पर बंगाईगांव में नृशंस हत्या की घटना घटी है। घटना बंगाईगांव के उत्तर बइटामारी के उलुबारीपाड़ा गांव की है। शख्स ने पत्नी की चाकू मारकर हत्या कर दी। हत्यारे पति की पहचान कुमुद नाथ तथा पत्नी की जिंटी भुइयां नाथ (35) के रूप में हुई है। दिल दहला देने वाली घटना बेडरूम में हुई। हत्या करने के बाद कुमुद नाथ फरार हो गया। कुमुद नाथ सल्फा (सरेंडर्ड उल्फा) का सदस्य है।

पृष्ठ एक का शेष

दिवाली पर रोशन ...

हैदराबाद के चारमिनार के नजदीक स्थित श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर को अयोध्या के राम मंदिर की थीम पर सजाया गया है, जिसके चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे हैं और मां भाग्यलक्ष्मी का आशीर्वाद ले रहे हैं। लोगों ने मंदिर के राम मंदिर के डिजाइन के साथ तस्वीरें भी खिचवाईं। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना के हावड़ा में दक्षिणेश्वर में स्थित आद्यपीठ काली मंदिर में दिवाली उत्सव मनाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और मां काली का आशीर्वाद लिया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पूरा देश आज दिवाली मना रहा है और इस साल की दिवाली खास है। बेटियों, युवाओं और किसानों को इस साल कई कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिला है। एनसीपी शरद की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि बचपन से ही हम हमेशा दिवाली मनाने के लिए बारामती आते रहे हैं। पूरा पवार परिवार दिवाली पर एक साथ होता है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, राज्य भाजपा प्रमुख वीडी शर्मा और अन्य ने दिवाली के अवसर पर भोपाल में पार्टी कार्यालय में पूजा की। झारखंड के बोकारो में कई पटाखों की दुकानों में आग लग गई। आग बुझाने के लिए दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। श्रीनगर में लाल चौक पर दिवाली का जश्न मनाया गया। यहां पर लोगों ने जयश्री राम और दिवाली लिखकर दीप जलाए। शारदा पीठ के बाजार में रौनक नजर आ रही है। दिवाली पर दिल्ली के कई इलाके रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठे। साउथ एक्सटेंशन, खान मार्केट और लोदी रोड समेत तमाम इलाकों में दिवाली की धूम रही। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दिवाली के मौके पर पटना स्थित मुख्यमंत्री आवास पर दीप जलाए। गुवाहाटी में भी दिवाली की धूम नजर आई। यहां पर रंग-बिरंगी रोशनी से इमारतें सजी नजर आईं।

रक्षा मंत्री ने ...

चाहते थे कि मैं तेजपुर में वीर जवानों के साथ बड़ाखाना में शामिल होऊं। सेना के जवानों के साथ दिवाली मनाने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि किसी भी त्योहार की खुशी परिवार के साथ मनाने पर और भी बढ़ जाती है। परिवार जितना बड़ा होता है, उतनी ही खुशी होती है। इसलिए, मैं अपने बड़े परिवार - अपने सशस्त्र बलों के परिवार के साथ दिवाली मनाने का प्रयास करता हूं। इसलिए, मैं इस साल दिवाली आपके साथ तेजपुर में मना रहा हूं। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आप जानते हैं कि एलएसी पर सीमा से संबंधित एक बड़ी घटना घटी है। लंबे समय से कूटनीतिक और सैन्य स्तर पर बातचीत चल रही थी ताकि इस समस्या का समाधान निकाला जा सके। एलएसी पर कुछ क्षेत्रों को लेकर भारत और चीन के बीच संघर्ष को हल करने के लिए हम सभी ने मिलकर काम किया है। हमारे प्रयासों के बाद, हम एलएसी पर जमीनी स्थिति को हल करने में आम सहमति पर पहुंचे हैं और हम इसमें सफल हुए हैं। यह वास्तव में एक बड़ी उपलब्धि है। मैं दृढ़ता से दावा कर सकता हूं कि हमने यह सफलता आपके साहस और अनुशासन के कारण हासिल की है। मैं यह कहना चाहूंगा कि चीन के साथ आपसी बातचीत इसलिए संभव हो पाई है क्योंकि आपकी वीरता को सभी ने महसूस किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि, इस बारे में ज्यादा कुछ कहने की जरूरत नहीं है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र, जहां हम सभी आज एकत्र हुए हैं, सुरक्षा की दृष्टि से कितना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह पूरा क्षेत्र प्राकृतिक रूप से सुंदर, सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण और भौगोलिक दृष्टि से दुर्गम है। इसके बावजूद, जिस बहादुरी के साथ आप यहां हमारी सीमा की रक्षा कर रहे हैं, उससे हर भारतीय को गर्व होता है।

भारत और चीन ...

आदान-प्रदान किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने असम के तेजपुर में बॉब खाथिंग संग्रहालय के उद्घाटन समारोह के दौरान बोलते हुए कहा कि एलएसी के साथ कुछ क्षेत्रों में, संघर्षों को हल करने के लिए भारत और चीन के बीच कूटनीतिक और सैन्य दोनों स्तरों पर चर्चा चल रही है। हाल की बातचीत के बाद, जमीनी स्थिति को बहाल करने के लिए व्यापक सहमति बनी है। यह सहमति समान और पारस्परिक सुरक्षा के आधार पर विकसित हुई है। उन्होंने कहा कि समझौते में पारंपरिक क्षेत्रों में गश्त और चराई से संबंधित अधिकार शामिल हैं। इस सहमति के आधार पर, वापसी की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। हम केवल वापसी से आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे, लेकिन इसके लिए हमें थोड़ा और इंतजार करना होगा। गौरतलब है कि हाल ही में भारत और चीन के बीच सीमा क्षेत्रों में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त व्यवस्था के संबंध में एक समझौता हुआ है। इससे पहले चीनी सैन्य कार्रवाइयों के कारण दोनों देशों के बीच सीमा गतिरोध 2020 में एलएसी के साथ पूर्वी लद्दाख में शुरू हुआ। इसके बाद दोनों देशों के बीच लंबे समय तक तनाव बना रहा, जिससे संबंधों में काफी तनाव आया। हालांकि, हाल ही में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई, जिसने दोनों देशों के बीच कम होते तनाव का संकेत दिया। यह बैठक पांच वर्षों में दोनों नेताओं के बीच पहली औपचारिक बातचीत थी। शी जिनपिंग और पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध भारत और चीन के लोगों और क्षेत्रीय और वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हैं। वहीं भारत में चीनी राजदूत जू फेइहोंग ने पहले कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि द्विपक्षीय संबंध सुचारू रूप से आगे बढ़ेंगे और दोनों देशों के बीच संबंध विशिष्ट असहमतियों से बाधित नहीं होंगे। इधर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रथम गृह मंत्री सरदार पटेल की जयंती पर उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे बहुत से नाम हैं, जिन्हें हमारे इतिहास में उचित स्थान नहीं मिला, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनका बलिदान छोटा था। उनके बलिदानों को याद रखना और उन्हें सम्मान देना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि मैं भारत के पहले केंद्रीय गृह मंत्री और देश की एकता के पीछे के दिमाग सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देता हूं। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण करते हुए बॉब खथिंग संग्रहालय के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। सिंह ने आगे कहा कि भारत में जिस तरह की एकता देखने को मिलती है, वह अद्भुत है। उन्होंने सभी से इस विशेषता को बनाए रखने का आग्रह किया।

डीटीसी बस में ...

कि 31.10.24 को छावला पुलिस स्टेशन में एक बस में आग लगने की सूचना पर पीसीआर कॉल आई थी। पूछताछ में पता चला कि एक यात्री बस में थोड़ी मात्रा में पटाखे लेकर यात्रा कर रहा था। इन पटाखों ने बस में आग पकड़ ली, जिससे पटाखे ले जा रहे व्यक्ति और उसके साथ बैठे एक सह-यात्रियों को मामूली चोटें आईं। अभी तक विस्फोट जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। दोनों को आईजीआई अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आगे की जांच जारी है।

मोदी सरकार के ...

जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि एक मजबूत भारत के लिए सरदार वल्लभ भाई पटेल के विचार को एक दशक से अधिक समय से नरेन्द्र मोदी नेतृत्व वाली सरकार द्वारा राष्ट्र निर्माण के ईमानदार और नए प्रयासों के साथ अमर कर दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय चेतना को प्रेरित करने और देश को एकजुट करने के लिए इसका उपयोग करने के लिए अथक प्रयास किया है। *सबका साथ, सबका विकास* दर्शन सरदार पटेल के सभी रियासतों को एक मजबूत राष्ट्र के लिए एक साथ लाने के प्रयास के समान है। सरदार पटेल के वीरतापूर्ण और निस्वार्थ प्रयासों द्वारा रखी गई इस मजबूत नींव पर, देश *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* के विचार को साकार करने की ओर बढ़ रहा है। सरदार पटेल द्वारा निर्धारित मार्ग ही वह मार्ग है, जिस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश का नेतृत्व कर रहे हैं, ताकि देश का समावेशी विकास किया जा सके। उन्होंने कहा कि वे एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण में उनके अमूल्य योगदान के लिए सरदार पटेल के इस महान व्यक्तित्व को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। कार्यक्रम की शुरुआत तब हुई, जब केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने कार्यक्रम में सरदार वल्लभभाई पटेल की छवि पर पुष्पांजलि अर्पित कर *पद पूजा* की। कांग्रेस की आलोचना करते हुए सोनोवाल ने कहा कि कांग्रेस ने सरदार पटेल को कभी वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वह हकदार थे। दशकों तक कांग्रेस ने सरदार पटेल के कार्यों को अंधेरे में रखा। देश के लिए सरदार पटेल के अनगिनत योगदानों के बावजूद कांग्रेस ने उन्हें जानबूझकर अंधेरे में रखने की साजिश रची। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में लोगों को प्रेरित करने और उन्हें एक मजबूत, सुरक्षित और एकजुट भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध करने के लिए भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभाई पटेल के जीवन का जश्न मनाया गया है। आज सरदार पटेल की जयंती पर हम करोड़ों भारतीयों के साथ कांग्रेस की नापाक साजिश का पूरी तरह से सफाया कर चुके हैं। देश ने सरदार पटेल के आदर्शों से दिशा को महसूस किया है, क्योंकि भारत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और सांसद (राज्यसभा) रामेश्वर तेली, असम सरकार में मंत्री जोगेन मोहन, एआईडीसी के अध्यक्ष और विधायक, प्रशांत फूकन, चाबुआ के विधायक पुनाकन बरुवा, विभागीय सचिव, टी के रामचन्द्रन, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जितेन हजारिका, प्रिंसिपल, असम मेडिकल कॉलेज, प्रोफेसर संजीब काकोति, डिब्रूगढ़ नगर निगम (डीएमसी) के मेयर, डॉ सैकत पात्रा तथा अन्य गण्यमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

कमला हैरिस ने ...

किया था। गौरतलब है कि इसके बाद 6 जनवरी, 2021 हिंसक विद्रोह भड़क उठा। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, हैरिस ने लॉन एलिप्से पर तैयार किए गए मंच से अपने प्रतिद्वंद्वी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को *क्षुद्र अत्याचारी, शिकायतों से ग्रस्त और अनियंत्रित शक्ति के लिए समर्पित* व्यक्ति के रूप में पेश किया। उन्होंने खुद को लड़ाकू के रूप में प्रस्तुत करते हुए कहा कि वह नेतृत्व की एक नई पीढ़ी की शुरुआत करते हुए देश को एकजुट करेंगी। उन्होंने मंच से ठीक पीछे व्हाइट हाउस की ओर इशारा करते हुए कहा कि 90 दिनों से भी कम समय में या तो डोनाल्ड ट्रंप या मैं ओवल ऑफिस में होंगे। हैरिस ने आशंका जताई कि अगर ट्रंप चुनाव जीतते हैं तो वह अपने दुश्मनों की सूची के साथ उस कार्यालय में प्रवेश करेंगे। अगर वह निर्वाचित होती हैं तो वह देश को आगे ले जाने के भावी कार्यक्रमों के साथ वहां प्रवेश करेंगी। इससे पहले दोनों ने अनेक स्थानों पर प्रचार करते हुए मतदाताओं से समर्थन हासिल करने की कोशिश की। दोनों ने अपने दिन की शुरुआत उत्तरी कैरोलिना में रैलियों के साथ की। हैरिस ने पेंसिल्वेनिया में एकता का संदेश दिया। ट्रंप ने राष्ट्रपति जो बाइडेन की आलोचना की। कमला हैरिस ने कहा कि वह बदले की भावना से काम नहीं करेंगी। उल्लेखनीय है कि एलिप्से को अमेरिका में राष्ट्रपति पार्क के नाम से भी जाना जाता है। यह 52 एकड़ में फैला है और व्हाइट हाउस के ठीक दक्षिण में है। इस पार्क तक फुटपाथ के माध्यम से पहुंचा जा सकता है। एलिप्स विजिटर मंडप 15वीं स्ट्रीट और ई स्ट्रीट पर स्थित है। यह एक बड़ा अंडाकार आकार का मैदान है।

पश्चिमी खासी हिल्स...

के माध्यम से असम के समकक्ष से संपर्क करने का प्रयास किया गया है, लेकिन संयुक्त सर्वेक्षण करने के लिए असम से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि संपर्क स्थापित करने के प्रयास अभी भी जारी हैं और क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण हो जाने के बाद रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी जाएगी। असम की क्षेत्रीय समिति भी इसी तरह असम सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। लिंगदोह ने हालांकि इस मुद्दे को कैसे सुलझाया जाएगा, इस पर टिप्पणी करने से परहेज किया और कहा कि *बहुत सारे विवरणों पर गौर किया जाएगा* जैसे कि समीपता, इतिहास, लोगों की राय आदि और फिर दोनों राज्य सरकारों द्वारा निर्णय लिया जाएगा। राज्यों के बीच विवादित सीमा विवाद के पहले चरण में मेघालय और असम ने मतभेदों के छह क्षेत्रों को सुलझा लिया है और एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। वर्तमान में, छह विवादित क्षेत्र बचे हैं जिनके लिए दोनों राज्यों में क्षेत्रीय समितियां बनाई गई हैं और ये अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए काम कर रही हैं।

आज से बदल ...

में अधिक पेमेंट कर सकेंगे, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक ने इसकी ट्रांजेक्शन लिमिट बढ़ा दी है। इसी तरह दूसरे बदलाव के तहत 1 नवंबर से मैन्युअल टॉपअप की जगह ऑटो टॉपअप फीचर शुरू हो जाएगा। ऐसा होने पर यूजर का यूपीआई लाइट बैलेंस तय सीमा से नीचे जाने की स्थिति में नए ऑटो टॉपअप फीचर से पैसे ऐड हो जाएंगे। इस तरह यूपीआई लाइट की मदद से बिना रुके पेमेंट किया जा सकेगा। इसी तरह भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा घरेलू स्तर पर मनी ट्रांसफर के लिए बनाए गए नए नियम भी कल से लागू हो जाएंगे। इन नियमों की मदद से फ्रॉड के लिए बैंकिंग चैनल्स के दुरुपयोग पर रोक लगाई जा सकेगी। कल से ही म्युचुअल फंड के नए इनसाइडर ट्रेडिंग के नियम भी लागू हो जाएंगे। इन नए नियमों के अनुसार ऐसेट मैनेजमेंट कंपनियों के फंड में नामित किए गए लोगों और उनके करीबी रिश्तेदारों द्वारा किए गए 15 लाख रुपये से अधिक के ट्रांजेक्शन की जानकारी देना आवश्यक कर दिया गया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने भी अपने सभी अनसिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड पर फाइनेंस चार्ज को अपडेट कर दिया है। अब 1 नवंबर से अनसिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड पर मासिक आधार पर 3.75 प्रतिशत की दर से फाइनेंस चार्ज लिया जाएगा। हालांकि ये फाइनेंस चार्ज डिफेंस जैसी कुछ खास श्रेणियों पर लागू नहीं होगा। एक नवंबर से नियमों में जो बड़े बदलाव होने वाले हैं, उनमें एक बदलाव मैसेज ट्रेसिबिलिटी का भी है। मैसेज ट्रेसिबिलिटी नियम के तहत टेलीकॉम कंपनियां अपने स्तर पर फर्जी या संदिग्ध नंबरों की पहचान करके उन्हें ब्लॉक करेंगी, ताकि ऐसे संदिग्ध नंबरों द्वारा यूजर्स तक मैसेज की डिलीवरी ना हो सके। केंद्र सरकार ने एक आदेश जारी करके देश की तमाम टेलीकॉम कंपनियों को मैसेज ट्रैकिंग लागू करके स्पैम मैसेज को ट्रैक करने और उनको ब्लॉक करने का निर्देश दिया है। ये नियम भी कल यानि 1 नवंबर से लागू हो जाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष ने ...

नेता कहते हैं कि जब हम जीतते हैं तो हम ईवीएम को दोष नहीं देते हैं और मतपत्र की मांग नहीं करते हैं, लेकिन जब भाजपा जीतती है तो ईवीएम को दोष देते हैं। खड़गे ने कहा कि हम उनकी (भाजपा) रणनीति को जानते हैं। वो जानते हैं कि क्या करना है, कहां और कैसे करना है। वैसे ये पहला मौका नहीं है जब कांग्रेस अध्यक्ष ने ईवीएम को लेकर भाजपा और प्रधानमंत्री पर हमला किया है इससे पहले भी वो कई बार ईवीएम पर सवाल खड़े कर चुके हैं। वहीं हाल ही में हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद भी कांग्रेस ने चुनाव में अनियमितताओं की बात कही थी, जिसे चुनाव आयोग ने खारिज कर दिया है।

भाजपा के सबसे ...

नौरंगिया विधान सभा (वर्तमान में खड्डा) से दो बार विधायक रहे। भूलई भाई भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय के साथ काम कर चुके हैं। श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल विहारी बाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी के साथ काम करने वाले भूलई भाई प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ के भी प्रिय थे। उनके निधन से पूरे जनपद में शोक की लहर है। प्रशासनिक अधिकारी एवं राजनीति से जुड़े लोग उनके घर पहुंच गए हैं। शुक्रवार की सुबह उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सदस्य आर पीएन सिंह, कुशीनगर के सांसद विजय दुबे, विधायक विवेकानंद पाण्डेय, पीएन पाठक, पूर्व सांसद राजेश पांडे, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि ने दु:ख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की सद्गति के लिए प्रार्थना की है।

मुजफ्फरपुर में बेपटरी ...

ठप हो गया और अधिकारियों को मौके पर तत्काल पहुंचना पड़ा। नारायणपुर स्थित डिपो में तेल खाली कर चुकी मालगाड़ी जैसे ही यार्ड में लौट रही थी, तभी यह हादसा हुआ। ठीक एक महीने पहले इसी स्थान पर मालगाड़ी की छह बोगियां बेपटरी हो गई थीं। घटना के बाद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और जीआरपी की टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई और स्थिति का जायजा लिया। रेलवे के वरीय अधिकारियों को मामले की जानकारी दी गई है और उन्होंने तकनीकी टीम को बुलाकर जांच के आदेश दिए हैं। फिलहाल पटरी पर पड़े डिब्बों को हटाने और रेल सेवा को बहाल करने का काम तेजी से चल रहा है।

महाराष्ट्र विस चुनाव...

29 अक्तूबर थी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख 4 नवंबर है। मतदान 20 नवंबर और मतगणना 23 नवंबर को होगी। मुख्य चुनाव अधिकारी के अनुसार राज्य में 9 करोड़ 70 लाख 25 हजार 119 मतदाता पंजीकृत हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने बताया कि 5 करोड़ 22 हजार 739 पुरुष मतदाता, 4 करोड़ 69 लाख 96 हजार 279 महिला मतदाता और 6 हजार 101 तृतीय पक्ष मतदाता पंजीकृत किये गये हैं। राज्य में सबसे ज्यादा मतदाता पुणे जिले में 88 लाख 49 हजार 590 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें 45 लाख 79 हजार 216 पुरुष मतदाता, 42 लाख 69 हजार 569 महिला मतदाता और 805 थर्ड पार्टी मतदाता पंजीकृत हैं। सिंधुदुर्ग जिले में राज्य में सबसे कम मतदाता हैं। सिंधुदुर्ग जिले में 6 लाख 78 हजार 928 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें 3 लाख 36 हजार 991 पुरुष मतदाता, 3 लाख 41 हजार 934 महिला मतदाता और 3 थर्ड पार्टी मतदाता पंजीकृत हैं। इसके अलावा राज्य में 1 लाख 16 हजार 170 सर्विस वोटर पंजीकृत किये गये हैं। इनमें 1 लाख 12 हजार 318 पुरुष मतदाता और 3 हजार 852 महिला मतदाता पंजीकृत हैं। प्रदेश में 100 वर्ष की आयु पार कर चुके 47 हजार 389 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें 21 हजार 89 पुरुष मतदाता, 26 हजार 298 महिला मतदाता और 2 तृतीय पक्ष के मतदाताओं ने पंजीकरण कराया है।

एसटीएफ के आईजीपी समेत छह केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक से सम्मानित

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के चार सदस्यों-आईजीपी पार्थ सारथी महंत और एसटीएफ के प्रमुखों-कल्याण कुमार पाठक, एडिशनल एसपी, हेमंत कचारी, एलएनके और राजकुमार कैबर्त, यूबी कांस्टेबल को गृह मंत्रालय द्वारा विशेष अभियान क्षेत्र में केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान 21 मार्च, 2023 से 20 मार्च 2024 तक असम के सबसे महत्वपूर्ण आपराधिक मुद्दों को हल करने में उनके उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देता है। आईजीपी पार्थ सारथी महंत के नेतृत्व में, एसटीएफ ने मादक पदार्थों की तस्करी, नकली मुद्रा और गैंडे के अवैध शिकार को लक्षित करके रणनीतिक अभियानों के माध्यम से प्रभावशाली परिणाम दिए हैं। उल्लेखनीय रूप से टीम ने बड़े पैमाने पर ड्रग्स नेटवर्क को ध्वस्त किया है, जिसमें हेरोइन सहित अवैध नशीले पदार्थों की पर्याप्त मात्रा जब्त की गई है। इन अभियानों ने न केवल संगठित अपराध को खत्म किया है, बल्कि असम के युवाओं को मादक द्रव्यों के सेवन के खतरे से काफी हद तक सुरक्षित करने में भी मदद की है। इन उपलब्धियों के अलावा, एसटीएफ ने बांग्लादेश से असम में रोहिंग्याओं की घुसपैठ को रोकने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी प्रभावशीलता का एक और प्रदर्शन करते हुए, एसटीएफ ने चालू वर्ष के मार्च महीने में आईएसआईएस इंडिया के प्रमुख हरीश फारुखी और उसके सहयोगी को गिरफ्तार करके एक बड़ी सफलता हासिल की, जो इस क्षेत्र में तोड़फोड़ की गतिविधियों की

योजना बना रहे थे। इस ऑपरेशन ने भारत में आईएसआईएस के संचालन की रीढ़ तोड़ दी, जो असम के सुरक्षा प्रयासों के लिए एक महत्वपूर्ण जीत थी। सुब्रत कुमार सेन, एडिशनल एसपी, कछार और अमृत कुमार सिंघा, इंस्पेक्टर, ओसी सिलचर थाना को सिलचर थाना केस संख्या 2754/22 में पेशेवर दृष्टिकोण के साथ उनकी व्यवस्थित जांच के लिए जांच के क्षेत्र के तहत केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक से सम्मानित किया गया है। 7 नवंबर, 2022 को पुलिस ने कटहल रोड पर 36 वर्षीय झरना पांडा का शव बरामद किया, जिसमें सिर पर गंभीर चोट के निशान थे। एडिशनल एसपी के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा व्यापक जांच के बाद, सीसीटीवी फुटेज का सावधानीपूर्वक विश्लेषण किया गया, जिससे तीन आरोपियों- बिजय दास, बिक्रम दास और परिमल दास की पहचान और गिरफ्तारी हुई। घटना में शामिल वाहन भी बरामद कर लिया गया और उसके चालक ने झरना को कुचलने की बात कबूल की। एसआईटी ने 48 घंटे के भीतर हत्या का सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया। असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने सभी पदक विजेताओं को उनकी उत्कृष्ट पेशेवर प्रतिबद्धताओं के लिए बधाई दी है।

राज्यपाल ने सरदार पटेल को दी श्रद्धांजलि

इंफाल (हिंस)। असम और मणिपुर के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने मणिपुर के राज्यपाल सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ आज इंफाल में राजभवन के दरबार हॉल में भारत के लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की। सरदार पटेल देश की एकता और अखंडता के लिए अथक प्रयास करने वाले देश के पहले गृह मंत्री थे। इस अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। राज्यपाल ने सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने देश की एकता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरदार पटेल बिना समय बर्बाद किए महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए जाने जाते थे। उन्होंने यह भी कहा कि सरदार पटेल ने देश की आजादी के बाद रियासतों को अपने अधीन करके देश को एकीकृत किया। उन्होंने कहा कि पटेल बहुत प्रेरणादायक थे और उनका जीवन ज्ञान का स्रोत है।

मुख्यमंत्री ने दीपावली एवं काली पूजा की दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने दीपावली एवं काली पूजा के अवसर पर समस्त राज्य वासियों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। मुख्यमंत्री ने दीपीवली की शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि आज रोशनी का त्योहार दिवाली है। आज शाम को रंग-बिरंगी रोशनी, मिट्टी के दीयों से हमारे आसमान में रोशनी का मेला लगेगा। भगवान रामलला के अयोध्या में अपने घर लौटने के बाद पहली बार अयोध्या नगरी में दीपोत्सव का आयोजन भी किया जा रहा है। मैं आज इस शुभ दिन पर असम के लोगों को हार्दिक बधाई देता हूं। मैं कामना करता हूं कि सभी का जीवन अंधकार के विनाश से प्रकाशित हो। सभी से आह्वान है- नियमों का पालन करें ताकि दिवाली आनंद के साथ मनाई जाए। वहीं, दूसरी ओर एक अन्य पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि काली मां की पूजा करने के लिए आज काली पूजा पवित्र रूप से मनाई जाएगी। मंगलमय शुभ दिन के अवसर पर मैं असम के लोगों को शुभकामनाएं देता हूं। मां काली समाज से बुराइयों का नाश करें और सभी के जीवन को सुखी, शांति और समृद्धि प्रदान करें। मैं मां के श्री चरणों की सेवा करते हुए बुराई का नाश कर सुंदर असम का निर्माण कर बुरे पापों के विनाश की प्रार्थना करता हूं।

मुख्यमंत्री शर्मा ने केंद्रीय मंत्री सोनोवाल को दी जन्मदिन की बधाई

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल को गुरुवार को जन्मदिन की बधाई दी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट एवं फोटो शेयर करते हुए लिखा कि केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल दादा को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री ने साथ ही लिखा है कि वे देश के प्राचीन समुद्र गौरव को पुनर्स्थापित करने और हमारी विशाल नदी प्रणाली की क्षमता का पूर्ण दोहन करने के प्रयासों का नेतृत्व कर रहे हैं। मां कामाख्या और श्रीमंत शंकरदेव से वे प्रार्थना करते हैं कि उन्हें मां भारती और आई असोमी (मां असम) की सेवा के लिए अवसर प्रदान करें।

आग में आठ दुकानें जलकर राख

कामरूप (हिंस)। दिवाली की पूर्व संध्या पर कामरूप (ग्रामीण) जिलांतर्गत दक्षिण कामरूप के कुकुरमारा में भीषण आग लग गई। कुकुरमारा के बीचोंबीच लगी आग में आठ दुकानें जलकर राख हो गईं। बुधवार रात करीब 11.30 बजे मां केबिन नामक चाय की दुकान से आग का सूत्रपात होना बताया गया है। देखते ही देखते तीन चाय की दुकानें, एक ज्वैलरी शॉप, एक इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकान समेत कुल आठ दुकानें जलकर राख हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही छायगांव पुलिस सहित दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग में चाय की दुकान में रखे कई रसोई गैस के सिलेंडर भी फट गए। जिसके चलते आग ने और भी विकराल रूप धारण कर लिया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यालय में की तोड़फोड़

नगांव (हिंस)। सामगुरी विधानसभा सीट पर उपचुनाव को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच चुनावी घमासान जारी है। इसी बीच, कांग्रेस पर भाजपा कार्यालय में तोड़फोड़ करने का आरोप लगा है। आरोप है कि कांग्रेस की रैली में गए लोगों ने भाजपा कार्यालय में तोड़फोड़ की। जानकारी के अनुसार बुधवार को सिंगीमारी से कांग्रेस की एक रैली थी। आरोप है कि रैली के बीच में कांग्रेस समर्थकों ने शिंगीमारी बाजार पहुंचने से पहले भाजपा कार्यालय पर हमला कर दिया। कांग्रेस की रैली में गए कार्यकर्ताओं ने लोनखोवा सहकारी समिति के सामने भाजपा कार्यालय को भारी नुकसान पहुंचाया। इस समय उपचुनाव को लेकर सामगुरी विधानसभा क्षेत्र के हर हिस्से में हिंसा की ऐसी घटनाएं हो रही हैं। अल्पसंख्यक नेता इमरान हुसैन के घर के सामने स्थित भाजपा कार्यालय पर भी हमला किया गया।

एनआरसी कार्यालय में चोरी

डिब्रूगढ़ (हिंस)। दुलियाजान एनआरसी कार्यालय में चोरों द्वारा चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि दुलियाजान ऑल इंडिया लिमिटेड के सीसी 11 और 12 में अस्थाई एनआरसी कार्यालय में चोर प्रवेश कर अहम दस्तावेज के अलावा कंप्यूटर चुराकर फरार हो गए। आयल की सुरक्षा में तैनाश सुरक्षाकर्मी और पुलिस ने इस मामले में संयुक्त अभियान के दौरान दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दुलियाजान के नतूनपाड़ा इलाके के सौरभ माली और रेलवे स्टेशन के समीप के अमर तांती के रूप में की गई है।

नलबाड़ी में पांच दिवसीय श्रीश्री श्यामा पूजा महोत्सव शुरू

नलबाड़ी (हिंस)। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में दीपोत्सव दीपावली के साथ-साथ श्रीश्री श्यामा पूजा महोत्सव का व्यापक आयोजन किया जा रहा है। नलबाड़ी के दाहुदी में बुधवार से पांच दिवसीय रंगारंग कार्यक्रम के साथ 59वां श्रीश्री श्यामा पूजा महोत्सव शुरू हुआ। यह काली पूजा (श्यामा पूजा) महामारी से छुटकारा पाने के लिए शुरू किया गया था, क्योंकि एक बार दाहुदी गांव में हुई महामारी के कारण कई लोगों की मौत हो गई थी। लोग तब से सार्वजनिक रूप से श्रीश्री श्यामा पूजा महोत्सव मना रहे हैं। महामारी गांव से गायब हो गई थी। ऐसी मान्यता है कि उक्त पूजा में प्रणाम करने से मन की इच्छा पूरी होती है, इसलिए उक्त श्यामा पूजा महोत्सव में सभी लोग गांव आकर प्रणाम करते हैं। आज रात भक्तों द्वारा हजारों बकरे, कबूतरों, बत्तखों आदि की बलि दी जाएगी। श्रीश्री श्यामा पूजा महोत्सव के अवसर पर प्रतिदिन पूजा-अर्चना, त्याग-समर्पण, नाम-प्रसंग, नागरा नाम प्रदर्शन, ओजापाली प्रदर्शन, आतिशबाजी प्रदर्शन, नृत्य प्रतियोगिता, कृति छात्राओं का अभिनंदन, पुस्तक विमोचन, महिला दीहा नाम प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम होते हैं। पांच दिनों की अवधि के लिए शुरू हुआ 59 वां दाहुदी श्रीश्री श्यामा पूजा महोत्सव तीन नवंबर को समाप्त होगा। उल्लेखनीय है कि वृहत्तर दाहुदी क्षेत्र में स्थित दाहुदी हाई स्कूल के सरकारीकरण होने तक श्रीश्री श्यामा पूजा महोत्सव के संचित धन से शिक्षण स्टाफ को वेतन का भुगतान किया जाता था और स्कूल का संचालन होता था। श्रीश्री श्यामा पूजा महोत्सव को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल है। उल्लेखनीय है कि राज्य भर में दीपावली तथा काली पूजा की धूम मची हुई है। राजधानी गुवाहाटी के साथ ही राज्य में चप्पा-चप्पा पर मां श्यामा काली की पूजा का आयोजन किया जा रहा है। वहीं, दीपावली को लेकर हर तरफ रोशनी से चकाचौंध कर दिया गया है। राजधानी गुवाहाटी शहर का हर कोना शाम होते ही चकमकाने लगता है। हर तरफ पटाखे की शोरगुल। इसी बीच राज्य के अलग-अलग जिला प्रशासनों द्वारा दीपावली पर विभिन्न ऐतिहासिक आदेश जारी किए गए हैं। आतिशबाजी की समय सीमा निर्धारित होने के बावजूद लोग देर रात तक बुधवार को भी पटाखे छोड़ते रहे। आज सुबह से ही कई जगह आतिशबाजी देखने को मिल रही है।

मोईराबाड़ी में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर एकता दौड़ आयोजित

गुवाहाटी। देश के पहले गृह मंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती हर साल पूरे भारत में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाती है। राष्ट्रीय एकता दिवस के मद्देनजर मेरा युवा भारत, मोरीगांव जिला नेहरू युवा केंद्र ने आदित्य रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन मोइराबाड़ी के सहयोग से एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया। दौड़ सुबह 9 बजे बेलगुड़ी शेख ब्रदर्स जातीय विद्यालय के खेल मैदान से शुरू हुई और बेलगुड़ी बाजार में समाप्त हुई। दौड़ का आधिकारिक उद्घाटन बेलगुड़ी बाजार समिति के अध्यक्ष रहमत अली ने किया। एकता दौड़ के बाद विद्यालय के प्राचार्य इकराम हुसैन चौधरी की अध्यक्षता में बल्लभ भाई पटेल के जीवन दर्शन पर परिचर्चा हुई। बैठक में बेलगुड़ी गाव के ग्राम प्रधान अजीजुर रहमान, विद्यालय के शिक्षक अफाजुद्दीन,

नैजुल इस्लाम, मुर्सिदा बेगम, नेहरू युवा केंद्र के पूर्व स्वयंसेवक शाहीनुर रहमान, स्वयंसेवी संस्था के सचिव जयदुर रहमान के साथ अध्यक्ष मोबारक हुसैन, शरीफुल इस्लाम एवं मोबारक अली उपस्थित थे। उन्होंने लौह पुरुष के जीवन दर्शन पर व्याख्यान दिए। उपस्थित सभी ने राष्ट्रीय एकता की शपथ ली। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी विकास चंद्र प्रधान और नेहरू युवा केंद्र मोरीगांव के लेखाकार और कार्यक्रम अधिकारी धनंजय तालुकदार ने उपस्थित सभी का आभार प्रकट किया।

रक्षा मंत्री ने तवांग में *देश का वल्लभ प्रतिमा और मेजर बॉब* खथिंग वीरता संग्रहालय किया राष्ट्र को समर्पित

नई दिल्ली/इटानगर (हिंस)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से अरुणाचल प्रदेश के तवांग में सरदार वल्लभभाई पटेल की *देश का वल्लभ* प्रतिमा और मेजर रालेंग्नाओ *बॉब* खथिंग *वीरता संग्रहालय* को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्हें तवांग जाना था, लेकिन खराब मौसम के कारण नहीं जा सके। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत एलएसी के साथ कुछ क्षेत्रों में जमीनी स्थिति को बहाल करने के लिए भारत और चीन द्वारा हासिल की गई व्यापक सहमति का जिक्र करते हुए की। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास इस मामले को अग्रिम मोर्चों पर तैनानी खत्म करने से आगे ले जाने का है लेकिन इसके लिए हमें थोड़ा और इंतज़ार करना होगा। राजनाथ सिंह ने भारत के लौह पुरुष के रूप में जाने जाने वाले सरदार पटेल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने स्वतंत्रता के बाद 560 से अधिक रियासतों को एकजुट करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को

रेखांकित किया और कहा कि उनकी यह उपलब्धि एकीकृत भारत के लिए उनके अदम्य संकल्प और प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में खड़ी है। उन्होंने कहा कि *देश का वल्लभ* प्रतिमा लोगों को एकता में ताकत और हमारे जैसे विविधतापूर्ण राष्ट्र के निर्माण के लिए आवश्यक अटूट भावना की याद दिलाते हुए हमें प्रेरित करेगी। रक्षा मंत्री ने मेजर बॉब खथिंग को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। एक असाधारण व्यक्ति खथिंग ने पूर्वोत्तर क्षेत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा में अमूल्य योगदान दिया है। राजनाथ ने कहा कि मेजर खथिंग ने न केवल भारत में तवांग के शांतिपूर्ण एकीकरण का नेतृत्व किया, बल्कि सशस्त्र सीमा बल, नगालैंड सशस्त्र पुलिस और नगा रेजिमेंट सहित आवश्यक सैन्य और सुरक्षा ढांचे की स्थापना भी की। *शौर्य संग्रहालय* अब उनकी बहादुरी और दूरदर्शिता को श्रद्धांजलि के रूप में खड़ा है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता है। रक्षा मंत्री ने क्षेत्र की प्रगति में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने असम और तवांग को जोड़ने वाली सेला सुरंग का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में अरुणाचल फ्रंटियर हाइवे प्रोजेक्ट पूरे नॉर्थ ईस्ट क्षेत्र, खासकर सीमावर्ती इलाकों को जोड़ने में बड़ी भूमिका निभाएगा। दो हजार किलोमीटर लंबा यह राजमार्ग इस क्षेत्र के साथ-साथ पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक और आर्थिक संपत्ति साबित होगा। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रि.) केटी परनायक, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चौना मीन और मेजर बॉब खथिंग का परिवार उद्घाटन स्थल पर उपस्थित था। वहीं थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (पूर्वी कमान) लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी, जीओसी 4 कोर लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह और अन्य वरिष्ठ नागरिक और सैन्य अधिकारी रक्षा मंत्री के साथ इस कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए।

बिश्वनाथ में रोद की वर्षगांठ समारोह पर 28 पुस्तकों का विमोचन

बिश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ जिले के साहित्यिक संस्था रोद गोष्ठी का 28 अक्तूबर को हिमालय विवाह भवन में चौथी वर्षगांठ मनाई गई। कार्यक्रम का उद्घाटन रोद गोष्ठी के अध्यक्ष बिमान राय बरुवा ने दीप प्रज्वलित और माजबाघमारा की माताओं द्वारा प्रस्तुत दिहानाम के साथ मंच का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में रोद के जनक और रोद पत्रिका और रोद गोष्ठी के संपादक के उस दिन (28 अक्तूबर)को जन्मदिन हेतु कार्यक्रम में उपस्थित महानुभावों उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन सचिव जयंत बरुवा और कार्यकारी अध्यक्ष तेजेन हजारिका ने किया और बिश्मय पत्रिका के संस्थापक संपादक शशि फुकनदेव के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक मिनट का मौन रखा गया और उनकी आत्मा की शांति की कामना की गयी। समारोह में रोद प्रकाशन द्वारा प्रकाशित 28 पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। पुस्तक का विमोचन कार्यक्रम का शुभारंभ माजबाघमारा गांव के एक प्रमुख संगठक बाबुल बोरा ने किया, पुस्तक का शीर्षक *महापुरुष*

श्रीमंत शंकरदेव और आज का असमिया समाज था। इसके बाद विशिष्ट कवि साहित्यिक विपुल शर्मा ने पुस्तक विमोचन किया क्रमश: जयश्री शइकीया के स्नेहर आई, नवीन बरठाकुर के *प्रबंध सौरभ,* अरुणचंद्र बरुवा के *पुवति निशार सपोन* भारती बरदलै के *सरापातर उचुपनि* आरती शर्मा के खेउजीया प्रेयसी। रहस्य कवि रंजू हाजरिका ने विमोचन किया, क्रमश: गिरींद्र कलिता के *जीवन नोइ चाकनोइया* प्राणेश्वर लोमगा के एरी अहा दिनबुर पवित्र वृंदावन डॉक्टर जयंत दास के निर्वाचित गल्प के संफुरा और दिव्य ज्योति दास के जीवन वीणार रागिनी। विशिष्ट अभिनेता ज्योति भुयां ने क्रमश: जयंत बरुवा के *जदि मोइए होऊं खेइ दुरंत प्रेमिक,* मौसमी चायेंगिया के आयांग, चंदन कलिता का *प्रेम शाश्वत* और वीणा देवी का बिया और बियानाम पुस्तक का लोकार्पण किया। इसके बाद विशिष्ट साहित्यिक इंद्रप्रसाद सैकिया ने क्रमश: आरती शर्मा के *दुपूरिया रोद* गिरिजा भट्टाचार्य के *कृष्णचुड़ा रंग* रेखा बरकटकी के *जोन ज्वला जुनाकी* प्राणेश्वर लोमगा के *सन्धियार जोन* और दीपावली बरुवा के *निविर संधिक्षन* पुस्तक का विमोचन किया। विशिष्ट कवि अनुप कुमार तालुकदार ने क्रमश: तृप्ति रेखा दास का *रोमंथन* हेमचंद्र बरुवा का *गरका* चंद्र शेखर पराजुलि का *निजके खदाय उचित मूल्यायन करक* और जयंत बरुवा के संपादित ग्रंथ रोद्रालोक(तृतीय खंड) तथा *रोद के जिलिकनि* का भव्यता के साथ विमोचन किया। कार्यक्रम में रहस्य सम्राट रंजू हजारिका को रोद के *गद्यरत्न सम्मान -2024* और विशिष्ट कवि नीलिम कुमार को रोद के *काव्यरत्न सम्मान -2024* प्रदान किया गया। रोद के *जीवनभर साधना पुरस्कार* लेखिका धनदा कलिता को प्रदान किया गया। रोद साहित्य सौरभ सम्मान पुरस्कार क्रमश: मातु हजारिका, जयश्री सैकिया, कामिनी मोहन, ललित नाथ, अमिलता टाइ मिलि, गिरींद्र कलिता, रुपामणि दत्त हिलैदारी, वीणा देवी और बिभा बिंदु कुंवर को प्रदान किया गया।

समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को *कृष्ण चंद्र गांधी* पुरस्कार से सम्मानित

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति के द्वारा आज असम प्रकाशन भारती सभागार में एक प्रेस कांफ्रेंस की गई। इस कांफ्रेंस में पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री बसंत अग्रवाल, सचिव डॉ. अभिजीत पायेंग, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी और कृष्ण चंद्र गांधी फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. दीपज्योति राजखोवा उपस्थित थे। डॉ. पवन तिवारी ने कहा कि पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति गत 2007 से हर वर्ष पूर्वोत्तर में शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को कृष्ण चंद्र गांधी पुरस्कार से सम्मानित करती आ रही है। पुरस्कार का उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा के विस्तार पर जनता का ध्यान आकर्षित करना

और हाशिये पर या पिछड़े क्षेत्रों में काम करने वाले स्वयंसेवकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को प्रेरित करना है। नगालैंड के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता श्री जकीने खौवे, जिन्होंने ऐसे आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा के विस्तार और सामाजिक-आर्थिक विकास में उत्कृष्ट योगदान दिया है और नगालैंड में राष्ट्रभाषा हिंदी की शिक्षा के लिए लगातार सेवा की है, को इस वर्ष का कृष्ण चंद्र गांधी पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। इस वर्ष (2024) का पुरस्कार समारोह 9 नवंबर 2024 को कोहिमा, नगालैंड में आयोजित किया जाएगा।

ब्रिक्स समूह देशों के सम्मेलन में बढ़ा है भारत का कद

■ प्रह्लाद सबनानी

हाल ही में ब्रिक्स समूह के देशों का सम्मेलन रूस के कजान शहर में संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में रूस ने भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत तो किया ही, साथ ही, चीन के राष्ट्रपति के साथ भी भारत के प्रधानमंत्री की द्विपक्षीय वार्ता संपन्न हुई। इस वार्ता में चीन ने भारत की सीमा के पास जमा कर रक्खे अपने सैनिकों को पीछे हटाकर, सीमा पर वर्ष 2020 की स्थिति बहाल करने की घोषणा की है। भारत को भी अपने सैनिकों को सीमा पर पीछे की ओर ले जाना होगा। इससे भारत एवं चीन की सीमा पर पिछले कुछ वर्षों से लगातार बढ़ रहे तनाव को कम करने में सफलता हासिल होगी। इस संदर्भ में विभिन्न समाचार पत्रों में छपी जानकारी के अनुसार चीन एवं भारत ने अपने 80 से 90 प्रतिशत सैनिकों को वापिस पीछे की ओर हटा लिया है। चीन और भारत के आपस में संबध सुधरने का असर केवल इन दोनों देशों के आपसी तनाव को ही कम नहीं करेगा बल्कि इन संबंधों में सुधार का असर आर्थिक क्षेत्र में भी देखने को मिलेगा। दरअसल चीन आज आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है, चीन में आर्थिक विकास की दर तिमाही दर तिमाही कम हो रही है। चीन के अमेरिका के साथ संबध बहुत अच्छे नहीं रहे है। अमेरिका एवं कई यूरोपीयन देशों ने चीन से विभिन्न वस्तुओं के आयात पर करों को बढ़ा दिया है ताकि चीन से आयात को कम किया जा सके। चीन की आंतरिक अर्थव्यवस्था में भी उत्पादों की मांग लगातार कम हो रही हैं। साथ ही, चीन के भवन निर्माण क्षेत्र एवं बैकिंग क्षेत्र में भी कई प्रकार की समस्याएं खड़ी हो गई हैं। चीन के अपने पड़ोसी देशों, ताइवान, फिलिपींस, जापान, भारत आदि के साथ भी संबध लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस सबका असर यह रहा है कि चीन ने भारत के साथ अपने संबंधों को सुधारने की पहल शुरू की है ताकि वह भारत के साथ अपने व्यापार को बढ़ा सके एवं अपनी आर्थिक स्थिति को कुछ हद्द तक सुधार सके। हालांकि चीन के विस्तरवादी नीतियों पर चलने के कारण चीन पर तुरंत विश्वास करना बहुत कठिन है। इस संदर्भ में चीन का इतिहास भी इस बात का साक्षी नहीं रहा है कि चीन के संबध किसी भी देश के साथ स्थायी रूप से बहुत अच्छे रहे हों। ब्रिक्स देशों में विश्व की 45 प्रतिशत आबादी निवास करती है, पूरे विश्व की 33 प्रतिशत भूमि इन देशों के पास है एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था में 28 प्रतिशत हिस्सेदारी ब्रिक्स के सदस्य देशों की है। ब्रिक्स समूह ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह गैर पश्चिमी देशों का एक समूह जरूर है, परंतु वह पश्चिमी देशों के विरुद्ध नहीं है। ब्रिक्स समूह को स्थापित करने वाले देशों में ब्राजील, रूस, भारत एवं चीन (ब्रिक्स) थे एवं वर्ष 2009 में दक्षिणी अफ्रीका को भी इस समूह में शामिल कर इस ब्रिक्सस का नाम दिया गया। आगे चलकर मिश्र (ईजिप्ट), ईथीयोपिया, ईरान, सऊदी अरब एवं यूनाइटेड अरब अमीरात को भी ब्रिक्स समूह में शामिल कर इस समूह का विस्तार किया गया। आज विश्व के कई अन्य देश भी ब्रिक्स समूह के सदस्य बनकर ग्लोबल साउथ की आवाज बनना चाहते हैं। हाल ही में रूस के कजान शहर में संपन्न ब्रिक्स समूह के सम्मेलन में स्थायी, अस्थाई एवं आमंत्रित 36 देशों ने भाग लिया। ब्रिक्स के इस सम्मेलन में इस विषय पर भी विचार किया गया कि ब्रिक्स देशों के पास एक अपना पेमेंट सिस्टम होना चाहिए एवं वैश्विक स्तर पर हो रहे व्यापार में अमेरिकी डॉलर पर अपनी निर्भरता को कम करना चाहिए। पश्चिमी देश वर्तमान में पूरे विश्व में लागू स्विफ्ट सिस्टम का दुरुपयोग कर रहे हैं एवं इसके माध्यम से अन्य देशों पर अपनी चौधराहट स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। स्विफ्ट सिस्टम के माध्यम से पूरे विश्व के देशों के बीच धन संबधी व्यवहारों को संपन्न किया जाता है। यदि किसी देश को इसकी सदस्यता से हटा लिया जाता है तो वह देश विश्व के अन्य देशों के साथ आर्थिक (धन संबधी) व्यवहार नहीं कर सकता है। रूस यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने जब रूस पर सैंक्शन लगाए थे तब रूस को स्विफ्ट सिस्टम से हटा दिया गया था जिससे रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने व्यापार के लेनदेनों का निपटान करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था। इस संदर्भ में, भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत में लागू यूनिफाईड पेयमेंट सिस्टम (यूपीएस), जिसे भारत में ही विकसित किया गया है, को भी ब्रिक्स समूह के सदस्य देशों में लागू करने पर विचार करने हेतु समस्त सदस्य देशों से आग्रह किया है। अभी तक भारत के यूनीफाईड पेयमेंट सिस्टम को 7 देशों ने अपना लिया है एवं 30 से अधिक देश इसे अपनाने के लिए विचार कर रहे हैं। भारत में यह सिस्टम बहुत ही सफलता पूर्वक कार्य कर रहा है। दूसरे, पूरे विश्व में डॉलर के प्रभाव को कम करने हेतु भी ब्रिक्स समूह के सदस्य देशों के बीच चर्चा हुई है। डॉलर के स्थान पर ब्रिक्स करेन्सी को अपनाने अथवा ब्रिक्स समूह के सदस्य देशों की बीच हो रहे व्यापार संबधी व्यवहारों के निपटान हेतु ये देश आपस में अपनी करेन्सी के उपयोग पर जोर देने पर भी सहमत होते दिखे हैं। ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान ही भारत एवं चीन के बीच हाल ही में संपन्न हुए बॉर्डर समझौते के बावजूद भारत को चीन से भारत में होने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर अपनी गहरी नजर बनाए रखना चाहिए। भविष्य में भी भारत को चीन से होने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति सोच समझकर ही देना चाहिए। क्योंकि, चीन के इतिहास को देखते हुए उस पर आज भी विश्वास नहीं किया जा सकता है। भारत ने हालांकि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भारत में होने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य को निर्धारित किया है। चीन के साथ भारत के संबध सुधरने के पश्चात इस लक्ष्य को प्राप्त करने में आसानी हो सकती है। परंतु, यह कार्य फिर भी बहुत सोच समझकर ही करना होगा। चीन के साथ भारत का विदेशी व्यापार अत्यधिक मात्रा में ऋणात्मक ही है। भारत ने केलेंडर वर्ष 2023 में चीन से 12,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि के उत्पादों का आयात किया था, परंतु भारत से चीन को निर्यात बहुत ही कम मात्रा में हो रहे हैं तथा चीन द्वारा भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी बहुत कम मात्रा में ही किए जा रहे हैं। चीन, भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करने वाले देशों की सूची में 22वें स्थान पर है और भारत में होने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में चीन की हिस्सेदारी केवल 0.37 प्रतिशत की ही है। यह सही है कि चीन के साथ बॉर्डर समझौते के बाद चीन से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ सकता है परंतु भारत को चीन के इतिहास को देखते हुए अभी भी सतर्क रहने की आवश्यकता है। ब्रिक्स समूह के सदस्य देशों के बीच आज भारत का कद तो बढ़ ही रहा है, साथ ही, आज विश्व के कई देशों द्वारा यूरोप एवं अमेरिका के प्रभाव से बाहर निकलने के प्रयास भी लगातार किए जा रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति ने ब्रिक्स समूह की बैठक में बताया है कि विश्व के कई देश आज ब्रिक्स समूह की सदस्यता ग्रहण करना चाहते हैं। इस प्रकार, ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिणी अफ्रीका) एवं शंघाई समूह आदि संगठन बहुत तेजी से अपने प्रभाव को वैश्विक स्तर पर बढ़ा रहे हैं। दरअसल, आज अमेरिका सहित यूरोपीयन देशों (फ्रान्स, जर्मनी, ब्रिटेन आदि) की आर्थिक परिस्थितियां लगातार बिगड़ती जा रही हैं और इन देशों की आर्थिक प्रगति धीमे धीमे कम हो रही है और ये देश मंदी की चपेट में आने की ओर आगे बढ़ रहे हैं जबकि आर्थिक विकास की दृष्टि से यह सदी अब भारत की होने जा रही है। आने वाले समय में, वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वार्षिक वृद्धि में भारत का योगदान लगभग 16 प्रतिशत तक होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। अतः विश्व के कई शक्तिशाली देश आज भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूती देना चाहते हैं, इसी के चलते ब्रिक्स समूह के सदस्य देशों के बीच भी भारत का कद अब बढ़ता दिखाई दे रहा है।

त्रेता की पहली दीपावली जैसी अयोध्या का दीपपर्व

■ उमेश चतुर्वेदी

त्रेता युग में लंका विजय के बाद अपने राम को देख अयोध्या निहाल हो गई थी। चौदह वर्ष के वनवास के बाद सरयू के तीर पर अपने राम के स्वागत में अयोध्या ने खुद को प्रकाशमान करने की जो परंपरा डाली, आज पूरी दुनिया उसे दीपावली के नाम से जानती है। अयोध्या की इस बार की दीपावली त्रेता युग की पहली दीपावली जैसी ही है। अयोध्या के पावन मंदिर में रामलला की स्थापना के बाद दीपों का पहला त्योहार आया है। राम की वापसी के बाद अयोध्या इस बार त्रेता युग की ही तरह निहाल होने जा रही है। सरयू के तीर पर स्थित पचपन घाटों पर 28 लाख से ज्यादा दीपों के जरिए अयोध्या अपने राम का स्वागत करने जा रही है। उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि यह दीपोत्सव दुनिया में नया कीर्तिमान बनाने जा रहा है। उत्तर प्रदेश में जब से योगी सरकार आई है, तब से हर दीपावली को अयोध्या के घाट दीपों से सजाए जा रहे हैं। इस लिहाज से देखें तो यह योगी सरकार के दीपोत्सव का आठवां संस्करण है। जिसके प्रबंधन का दायित्व बाकायदा अयोध्या के ही डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रतिभा गोयल को दिया गया है। जो 30 हजार वालंटियर्स के सहयोग से 28 लाख से अधिक दीयों को प्रज्ज्वलित करने की तैयारी में हैं। दीपोत्सव के रिकॉर्ड को जांचने के लिए अयोध्या में मंगलवार यानी 29 अक्तूबर को ही गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम के कंसल्टेंट निश्चल बरोट अपने 30 सहयोगियों के साथ पहुंच गए। दीपों के जलाते वक्त तेल बाहर ना गिरे, इसका सावधानी पूर्वक ध्यान रखने के लिए वालंटियरों को कहा गया है। 30 अक्तूबर के दिन दीपोत्सव के दीयों में तेल डालने के लिए एक-एक लीटर के सरसों तेल की बोतलें दी जा रही हैं। हर दीप में सावधानीपूर्वक तेल डालने के लिए विशेष तौर पर दिशा-निर्देश दिए गए हैं। घाट पर तेल न गिरे, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। त्रेता युग में राम के स्वागत में पूरी अयोध्या दीपों से जगमगा उठी थी। इसके बाद से ही हर साल कार्तिक महीने की अमावस्या को पूरा सनातन

समाज, उसके घर, उसकी झोपड़ियां, उसके ठीये, उसके पशुओं की नाद, उसके कुएं के चबूतरे, तुलसी के चबूतरे, मंदिरों के दरवाजे राम के स्वागत में दीपों से सजाता रहा है। सनातन समाज की हर गली, हर हर रास्ता, हर अंधियारा कोना इस दिन प्रकाश की रेखाओं से जैसे खिल उठता है। इस परंपरा में समूची अयोध्या भी इस दीपावली को इसी अंदाज में सजेगी, लेकिन योगी सरकार की डाली परंपरा के अनुसार सरयू के 55 घाट अलग ही अंदाज में नजर आएंगे। चूंकि अयोध्या के मंदिर में रामलला की स्थापना के बाद की यह पहली दीपावली है, इसलिए सरयू के घाट इस बार 28 लाख दीयों के साथ अलग ढंग से सज रहे है, जिनसे उठी रोशनियों की लंबी लकीरें सरयू की लहरों में अप्रतिम दृश्य वितान रचने जा रही हैं। दीपोत्सव की भव्यता विश्व पटल पर दिखे, इसके लिए सरयू नदी के दसवें नंबर के घाट पर 80 हजार दीयों के जरिए स्वास्तिक बनाया गया है। इसके जरिए दीपोत्सव की टीम पूरी दुनिया को रौशनी युक्त शुभ्रता का संदेश देने की कोशिश कर रही है। माना जा रहा है कि दीपोत्सव में यह दृश्य अद्भुत आकर्षण का केंद्र होगा। अयोध्या के घाटों पर दीयों को सजाने और उन्हें रोशनी से जगमगाने की जिम्मेदारी 30 हजार वालंटियर को दी गयी है। घाटों को र 16 गुणा 16 दीए का ब्लाक से सजाया जा रहा है। जिनमें 256 दीए सजाए जा रहे हैं। इनमें एक वालंटियर को 85 से 90 दीए प्रज्ज्वलित करने का लक्ष्य निर्धारित है। दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो0 संत शरण मिश्र के मुताबिक, उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशन में अयोध्या का जिला प्रशासन दीपोत्सव के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन को यह अप्रतिम दृश्य रचने के लिए हर संभव सहयोग दे रहा है। राम नगरी के 55 घाटों पर दीयों की सुरक्षा पुलिस प्रशासन व विश्वविद्यालय के सुरक्षा कर्मियों द्वारा की जा रही है। घाटों पर सुरक्षा सख्त कर दी गई है। बिना आई कार्ड के प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह सच है कि रोशनी के महत्व को हम तभी समझ पाते हैं, जब हमारे सामने गहन अंधकारा होता है। बेशक अपना देश वैश्विक युद्ध से बचा हुआ है। लेकिन इजरायल-फिलीस्तीन के साथ ही रूस-यूक्रेन युद्ध के आंच की ताप में दुनिया झुलस रही है। इसकी किंचित आंच भारत और भारतीयों तक भी पहुंच रही है। त्रेता युग में राम ने रावण वध और लंका विजय के जरिए संदेश दिया था कि शांति ही दुनिया और मानव जीवन की प्रगति का आधार है। रामलला के अपने पावन घर में आ विराजने के बाद की पहली दीपावली सिर्फ दीयों की संख्या के आधार पर ही रिकॉर्ड नहीं बनाने जा रही, बल्कि वह दुनिया को एक संदेश भी देने जा रही है। संदेश यह कि रोशनियों के सामने अंधेरे को हारना ही होता है। अयोध्या की यह दीपावली दुनिया को यह भी संदेश दे रही है कि युद्ध के अंधेरे से उसे निकलना ही होगा और मानव जीवन की प्रगति के लिए रोशनियों की लहरों पर ही सवार होना होगा।

बंटेंगे तो कटेंगे कोई नारा नहीं, सच्चाई है

■ ललित गर्ग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटोगे तो कटोगे बयान का समर्थन करते हुए कहा कि वर्तमान हालात में हिन्दू एकता बनाए रखना आवश्यक है, क्योंकि कई जगहों पर धर्मांतरण की घटनाएं हो रही हैं। गणेश पूजा और दुर्गा पूजा के दौरान कुछ स्थानों पर हिन्दुओं पर हमले हुए हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह एवं महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने हिंदू समुदाय को जाति और विचारधारा के आधार पर विभाजित करने के प्रयासों के खिलाफ लोगों को आगाह करते हुए समाज और लोक कल्याण के लिए *हिंदू एकता* के महत्व पर भी जोर दिया है। अपने को बचाये रखने एवं दूसरों के मंगल के लिए हिन्दू एकता वर्तमान की बड़ी अपेक्षा है, इसलिए उन्होंने अपना विस्तृत दृष्टिकोण पेश करते हुए न केवल हिन्दू शब्द का विरोध करने वालों पर करारा प्रहार किया है, बल्कि देश में अराजकता का माहौल पैदा करने वाले मुस्लिम संगठनों पर भी सीधी चोट की है। विशेषतः नफरती एवं विघटनकारी सोच के लिए राहुल गांधी पर भी कड़ा प्रहार किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के *बंटोगे तो कटोगे* बयान का समर्थन करते हुए कहा कि वर्तमान हालात में हिन्दू एकता बनाए रखना आवश्यक है, क्योंकि कई जगहों पर धर्मांतरण की घटनाएं हो रही हैं। गणेश पूजा और दुर्गा पूजा के दौरान कुछ स्थानों पर हिन्दुओं पर हमले हुए हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर तरह-तरह के अत्याचार हो रहे हैं। हिन्दुओं पर लगातार हो रहे हमलों एवं उन्हें विभाजित किये जाने की साजिशों को नियंत्रित करने के लिए हिन्दू को संगठित होना ही चाहिए। दत्तात्रेय ने जहां हिन्दुओं को जगाया वहीं राजनीतिक दलों की नींद उड़ा दी, विपक्ष विशेषतः कांग्रेस की हिन्दू विरोधी सोच का पर्दापाश किया। सरकार्यवाह होसबोले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में हिन्दू समाज को जाति, भाषा एवं प्रांत के भेद में बांटने के विपक्षी दलों के प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि हम बंटेंगे तो निश्चित रूप से कटेंगे, इसलिए हिन्दू समाज में एकता आवश्यक है। उन्होंने इसे जीवन मंत्र जैसा बताया। दिया। उन्होंने देश के सामने कुछ ऐसी बड़ी चुनौतियों को भी रेखांकित किया, जिसे लेकर राजनीतिक दलों एवं सांप्रदायिक संगठनों की भृकुटि कुछ तन गई है। मथुरा स्थित गऊ ग्राम परखम के दीनदयाल उपाध्याय गौ विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र में आयोजित 25 और 26 अक्तूबर 2024 की इस बैठक में संघ के सभी 46 प्रांतों के प्रांत एवं सह प्रांत संघचालक, कार्यवाह तथा प्रचारकों ने हिस्सा लिया। योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान एक रैली में हिंदुओं को जातियों में बांटने की विपक्षी दलों की रणनीति के प्रति आगाह करते हुए कहा था कि विपक्ष चाहता है कि मुसलमान एकजुट होकर ताकतवर और हिंदू जातियों में विभाजित होकर कमजोर बने रहें। योगी आदित्यनाथ ने पड़ोसी देश में मुसलमानों के हाथों बेगुनाह हिंदुओं के मारे जाने का हवाला देकर कहा था कि बंटेंगे तो कटेंगे। इस बयान की विपक्ष ने कड़ी आलोचना की, हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अलग-अलग तरह से इस संदेश को आगे बढ़ाया है। इसी कड़ी में सरकार्यवाह होसबाले हिन्दू एकता एवं संगठन की आवश्यकता व्यक्त की। सरकार्यवाह होसबोले एक सक्रिय, साहसी, चिन्तनशील, राष्ट्रयोद्धा, समाजसुधारक और बदलाव लाने वाले संघ नेता हैं। वे देशहित में अच्छी रचनात्मक एवं सृजनात्मक बातें करते हैं, बदलाव चाहते हैं, राष्ट्र को तोड़ना नहीं जोड़ना चाहते हैं, अच्छी बात यह भी है कि संघ एक जागरूक संगठन है और हर समस्या पर अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। हर व्यक्ति के दिमाग में एक समस्या है और हर व्यक्ति के दिमाग में एक समाधान है। एक समस्या को सब अपनी समस्या समझे और एक का समाधान सबके काम आए। समाधान के अभाव में बढ़ती हुई समस्या संक्रामक बीमारी का रूप न ले सके, इस दृष्टि से आज का समाधान आज प्रस्तुत करने के लिए आरएसएस निरन्तर जागरूक रहता है। इसीलिए हिन्दू एकता के लिए व्यापक प्रयत्नों की अपेक्षा है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लोगों की परेशानियों को लेकर भारत सरकार ने कदम उठाए हैं। दुनिया में कहीं भी किसी भी हिंदू को अगर कोई परेशानी होती है तो वह मदद के लिए भारत की तरफ ही देखता है। देश एवं दुनिया में हिन्दुओं से जुड़ी परेशानियों एवं समाधान की दृष्टि से एक सशक्त वातावरण बनना अपेक्षित है। होसबाले ने ऐसी ही जटिल होती समस्याओं में लव जिहाद का मुद्दा भी उठाया और कहा कि लव जिहाद से समाज में समस्या हो रही है। उन्होंने कहा कि लड़कियों को लव जिहाद के प्रति जागरूक करें। हमारे समाज की बहन-बेटियों को बचाना हमारा काम है। उन्होंने दावा किया कि केरल में 200 लड़कियों को लव जिहाद से बचाया गया है। ध्यान रहे कि अभी राजधानी दिल्ली के नांगलोई इलाके में मुस्लिम लड़के सलीम ने खुद को संजू बताकर हिंदू लड़की सोनिया को प्यार के जाल में फंसाया। सलीम ने सोनिया के साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसे गर्भवती कर दिया। सोनिया ने जब शादी दबाव बनाया तो सलीम ने दो दोस्तों के साथ उसकी हत्या कर दी और शव को हरियाणा में अपने ननिहाल के गांव में एक खेत में गाढ़ दिया। निश्चित रूप से बंटेंगे तो कटेंगे कोई नारा नहीं बल्कि सदियों की सच्चाई है। जब-जब हिन्दू कमजोर हुआ है, तब तब उस पर अत्याचार बढ़े हैं, उनका सफाया कर दिया गया है। कश्मीर में हिंदुओं ने ताकत नहीं दिखाई तो उनका नरसंहार हुआ। लाहौर की 75 प्रतिशत आबादी हिंदुओं और सिखों की थी, कराची में हिंदू, सिंधी और हिंदू पंजाबी जनसंख्या के दो तिहाई थे, काबुल में 1950 तक एक तिहाई हिंदू-सिख थे, रंगून में एक तिहाई आबादी हिंदुओं की थी, सभी जगहों पर आज हिंदुओं-सिखों का सफाया हो गया। इसीलिए सरकार्यवाह होसबोले की दृष्टि में बंटने के प्रति सचेत करने का मतलब अनेकता में एकता का मंत्र है। हम जाति, वर्ग में भले अनेक हों, लेकिन इस आधार पर हम बंटे नहीं बल्कि एकजुट रहें। बांग्लादेश के संदर्भ में भारत सरकार ने वहां हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का आश्वासन दिया है। संघ ने उस समय भी कहा था कि हिंदू समुदाय को वहीं रहना चाहिए और पलायन नहीं करना चाहिए। संघ की नजरों में धर्मांतरण और हिन्दुओं को विभाजित करने से हिन्दू जनसंख्या का संतुलन बिगड़ा है और वे अल्पसंख्यक होते गये हैं। इस मायने में होसबोले का उद्बोधन कोई स्वप्न नहीं, जो कभी पूरा नहीं होता। यह तो हिन्दुओं को सशक्त एवं विकसित बनाने के लिए ताजी हवा की खिड़की है। यह सामाजिक समरसता का भी जीवनमंत्र है। संघ इस संवाद को कायम रखेगा क्योंकि समाज को तोड़ने के लिए बहुत सी कोशिशें हो रही हैं, विपक्षी दल अपने राजनीतिक हितों के लिए हिन्दू समुदाय को तोड़ने एवं विभाजित करने के लिए तरह-तरह के षडयंत्र कर रहे हैं। एक बार फिर संघ ने राजनीति से परे जाकर देश को जोड़ने, सशक्त बनाने एवं नया भारत निर्मित करने का सन्देश दिया है और इस सन्देश को जिस तरह आकार दिया जाना है, उसका दिशा-निर्देश भी दिया गया है। आरएसएस महासचिव ने कहा, महात्मा गांधी ने भी स्वराज्य का मंत्र दिया था। *स्व* का मतलब है *स्वाधीनता*, राष्ट्रीय स्वत्व। यहां हिन्दुओं को अपनी परंपरा, अपनी सभ्यता, उसके अनुभवों के साथ व्यवहार करना है, आधुनिकता का पालन करना है, आधुनिकता में भी स्व को नहीं भूलना है। इस स्व को जीवंतता देकर ही हिन्दू समाज टूटने एवं बिखरने से बच सकता है। किसी भी समाज में बिखराव की स्थिति होती है तो उसकी क्षमताओं का पूरा उपयोग नहीं हो सकता। उपयोग के लिए क्षमताओं को केंद्रित करना जरूरी है। समाज का हर व्यक्ति अपने आप में एक शक्ति है। इस शक्ति को काम में लेने से पहले उसे एकात्ममुख करना जरूरी है। होसबोले के आह्वान का हार्द हिन्दुओं को सशक्त बनाते हुए राष्ट्र को नई शक्ल देने का है। वास्तव में यदि हम भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के अपने सपने को साकार करना चाहते हैं तो हमें अपनी सोच और अपने तौर-तरीके बदलने होंगे। जब होसबोले देश को बदलने और आगे ले जाने के लिए संकल्प व्यक्त कर रहे हैं तो फिर हिन्दुओं का भी यह दायित्व बनता है कि वह अपने हिस्से के संकल्प ले, संगठित हो।

आखिरकार क्यों पिछड़ती गई हरियाणवी भाषा

■ डॉ. सत्यवान सौरभ

स्वतंत्रता के पश्चात पंजाब में तो हरियाणवी की घोर उपेक्षा हुई ही, भाषा के आधार पर, पंजाब से अलग राज्य बनने के बाद भी, हरियाणा की सरकारों ने न तो हरियाणवी भाषा की सुध ली और न ही इसके विकास की कोई ठोस कार्ययोजना बनाई। यह कहना है हरियाणवी साहित्य के पुरोधा के रूप में विख्यात वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रामनिवास %मानव% का। हरियाणा दिवस के सुअवसर पर दिए गए साक्षात्कार में डॉ. *मानव* ने कहा कि पंजाब से अलग हरियाणा राज्य का गठन ही भाषा के आधार पर हुआ था, लेकिन सरकारों की उपेक्षा के चलते हरियाणवी पिछड़ती चली गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि *हरियाणा में कल्चर के नाम पर सिर्फ एग्रीकल्चर* है का झूठा नैरेटिव चलाने वाले और हरियाणवी-विरोधी मानसिकता से ग्रस्त कथित साहित्यकारों ने ? सत्ता के सहयोग से पहले भाषा विभाग पर और फिर हरियाणा साहित्य अकादमी पर आधिपत्य जमा लिया। परिणाम ? स्वतंत्रता के समय जो पंजाबी हरियाणवी से उन्नीस थी, वह न केवल संविधान की आठवीं सूची में शामिल होकर राष्ट्रीय भाषा का दर्जा पाने में सफल रही, बल्कि अब ब्रिटेन, कनाडा, अमेरिका, आस्ट्रेलिया आदि देशों में बसे करोड़ों पंजाबी भाषी लोगों के कारण विश्व भाषा बनने की ओर अग्रसर है। किंतु जो हरियाणवी अपने दम पर शताब्दियों पूर्व सुदूर दक्षिण भारत, नेपाल, तजाकिस्तान, कजाकिस्तान तथा कई यूरोपीय देशों तक पहुंच गई थी, स्वतंत्रता-प्राप्ति के 77 और हरियाणा गठन के 68 वर्ष बाद भी अपनी पहचान को बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है। हरियाणा के हिंदी और हरियाणवी साहित्य के शोध और संरक्षण में अपने जीवन के पचास महत्वपूर्ण वर्ष खपा देने वाले डॉ. %मानव% हरियाणवी की वर्तमान स्थिति से बहुत निराश हैं और व्यथित स्वर में कहते हैं कि अब तक हरियाणवी के विकास के लिए जितने भी प्रयास हुए हैं, उनमें से अधिकतर निजी स्तर पर हुए हैं, राज्य सरकार या राज्य की किसी अकादमी का शायद ही कोई योगदान उनमें रहा हो। यही कारण है कि आज तक न तो हरियाणवी का मानक रूप तय हो पाया है, न हरियाणा में हरियाणवी साहित्य अकादमी का गठन हुआ है और न हरियाणवी में कोई पत्रिका निकलती है। फिर हरियाणवी भाषा का समुचित विकास कैसे संभव है! पूर्व में हरियाणा साहित्य अकादमियों की कार्य-प्रणाली पर क्षोभ प्रकट करते हुए डॉ. मानव ने कहा कि सत्ता के आशीर्वाद से हरियाणा की अकादमियों पर दशकों से कुंडली मारकर बैठे कुछ लोगों ने, अपने पद का दुरुपयोग करते हुए, न केवल चाटुकारिता की अपसंस्कृति को बढ़ावा दिया, बल्कि अकादमियों द्वारा दिए जाने वाले पुरस्कारों की प्रतिष्ठा को भी ठेस पहुंचाई। जो लोग ढाई हजार के पुरस्कार के योग्य नहीं थे, उन्हें ढाई-ढाई लाख के, जो पांच हजार के पुरस्कार के योग्य नहीं थे, उन्हें पांच-पांच लाख के और जो सात हजार के पुरस्कार के योग्य नहीं थे, उन्हें सात-सात लाख के नामित पुरस्कार थोक में बांटे गए। इससे भी दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बात यह रही कि अनेक सुयोग्य और पुरस्कारों के सच्चे अधिकारी साहित्यकारों की घोर उपेक्षा की गई। हरियाणवी भाषा और साहित्य के विकास में हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के वर्तमान कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. कुलदीपचंद अग्निहोत्री और निदेशक डॉ. धर्मदेव विद्यार्थी की पहल को सराहनीय बताते हुए डॉ. मानव ने आशा प्रकट की है कि उनके प्रयासों के सार्थक और संतोषजनक परिणाम सामने आएंगे। हरियाणवी को हिंदी का पूर्व रूप और केंद्रीय साहित्य अकादमी के शब्दों में *हिंदी की सहभाषा* बताते हुए डॉ. मानव ने कहा कि अलग से हरियाणवी साहित्य अकादमी का गठन, हरियाणवी पत्रिका का प्रकाशन, हरियाणवी भाषा का मानकीकरण और समकालीन हरियाणवी साहित्य का मूल्यांकन बहुत जरूरी है। हरियाणवी साहित्य को फूहड़ सांगों, अश्लील रागिनियों और भौंडे चुटकुलों तक सीमित कर देना उचित नहीं है। उल्लेखनीय है कि साठ महत्वपूर्ण पुस्तकों के लेखक और संपादक डॉ. रामनिवास मानव हरियाणा में रचित हिंदी-साहित्य के प्रथम शोधार्थी और अधिकारी विद्वान तो हैं ही, हरियाणा के समकालीन साहित्य की शोध-परंपरा के विधिवत शुभारंभ का श्रेय भी इन्हें प्राप्त है।

मुख्यमंत्री भजनलाल, पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत सहित राजस्थान के नेताओं ने दी दिवाली की बधाई

जयपुर (हिंस)। देशभर में दिवाली को लेकर लोगों में उत्साह है। इस मौके पर लोग एक दूसरे को शुभकामनाएं दे रहे हैं, बधाई संदेशों का आदान-प्रदान हो रहा है। इसी कड़ी में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष टीकराम जूली, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट सहित कई नेताओं ने देश-प्रदेशवासियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक वीडियो जारी करते हुए लिखा कि दिवाली की रौनक, राजस्थान की शान! मैं, भजन लाल शर्मा, आप सभी को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। इस पावन पर्व पर मैं आपको राजस्थान की सुंदर संस्कृति और विरासत का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करता हूं। दिवाली के इस पावन अवसर पर मेरी और राजस्थान सरकार की ओर से आपको और आपके परिवार को ढेर सारी खुशियों भरी दिवाली की शुभकामनाएं। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा कि दीपावली के पावन पर्व पर आप एवं परिवारजनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मेरी मंगलकामना है कि यह दीवाली आपके जीवन में खुशियां लेकर आए। पूर्व मुख्यमंत्र वसुंधरा राजे ने दिवाली की बधाई देते हुए लिखा कि आप सभी देशवासियों को अन्धकार पर प्रकाश की शाश्वत विजय के पर्व *दीपावली* की मंगलमय शुभकामनाएं। प्रकाश व खुशियों का यह महापर्व सभी के जीवन को नई उर्जा, प्रकाश, आरोग्य और समृद्धि से आलोकित करे। राजस्थान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बधाई संदेश देते हुए लिखा कि दीपोत्सव के पावन पर्व दिवाली की आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

फर्जी तरीके से बांग्लादेशी नागरिकों के दस्तावेज बनाने का मामला

बीस से अधिक ई-मित्र संचालकों को पुलिस ने किया डिटेन

जयपुर (हिंस)। भांकरोटा थाना इलाके में फर्जी तरीके से बांग्लादेशी नागरिकों के सरकारी दस्तावेज बनाने के मामले में पुलिस ने बीस से अधिक ई-मित्र संचालक सहित अन्य लोगों को डिटेन किया है। अब पुलिस इन संचालकों और उनके कर्मचारियों से बांग्लादेशियों के दस्तावेज बनाने के तरीके पूछ रही है। जानकारी में सामने आया है कि पुलिस जल्द इन संचालक और ई-मित्र पर काम करने वाले कर्मचारियों को गिरफ्तार कर सकती हैं। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार के अनुसार भांकरोटा थाना इलाके में बांग्लादेशियों के फर्जी तरीके से आधार कार्ड व पहचान पत्र बनाने के मामले में कुछ ई-मित्र संचालकों की भूमिका सामने आई है। इस संबंध में पकड़े गए बांग्लादेशी

नागरिक सोहाग खान, नोजू फकीर व सहयोग करने वाले स्थानीय फिरोज कुरैशी से पूछताछ में कई लोगों के नाम सामने आए हैं। साथ ही इस गिरोह ने बड़ी संख्या में अवैध तरीके से सीमा पार से आए बांग्लादेश के नागरिकों के राजस्थान सहित भारत के कई राज्यों के दस्तावेज बनवाए हैं। पुलिस इस संबंध में पूछताछ कर तस्दीक कर रही है। पुलिस की रडार पर आए बांग्लादेशियों से पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि कैसे उन लोगों ने राजस्थान के लोगों की आईडी का सहारा लेकर अपने फर्जी दस्तावेज एजेंसी के सहारे बनाए। एक फर्जी परिचय पत्र बनाने के लिए कई सेंटर के लोगों ने पांच सौ से एक हजार रुपए लिए हैं। व्हीं ई-मित्र संचालकों ने पुलिस की सख्ती के बाद से गायब रहना शुरू कर दिया है। अलग-अलग थाना पुलिस अभी तक बीस से अधिक ई-मित्र संचालक और सेंटर पर काम करने वाले अन्य लोगों को डिटेन कर पूछताछ कर चुकी है। इसी पूछताछ में कई नाम सामने आए हैं। वहीं इन बदमाशों से पूछताछ के दौरान यह भी सामने आया है कि इन लोगों ने राजस्थान में रह रहे बांग्लादेशियों का ही नहीं अन्य राज्यों में बैठे बांग्लादेशियों के भी सरकारी दस्तावेज बना रखे हैं। इसे लेकर पश्चिम जिला पुलिस एक बड़ा खुलासा करने की तैयारी कर रही है।

विस उपचुनाव में भाजपा गठबंधन की जीत तय : भूपेंद्र सिंह चौधरी

मुरादाबाद (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव में भाजपा गठबंधन की जीत तय है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का कोई अस्तित्व नहीं है। इसीलिए समाजवादी पार्टी भी उनका साथ छोड़ चुकी है। भूपेन्द्र चौधरी ने गुरुवार को भाजपा जिला कार्यालय पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए यह बातें कही। दीपावली के मौके पर पत्रकारों को शुभकामनाएं देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मोदी और योगी सरकार ने प्रदेश में काफी विकास कार्य कराए हैं। सरकार की योजनाओं का लाभ हर वर्ग के लोगों को मिला है। विकास के दम पर भाजपा गठबंधन को उपचुनाव में कुंदरकी समेत प्रदेश की सभी नौ सीटों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जीत मिलेगी। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के राज में गुंडों का बोलबाला था। लोगों को न बिजली मिलती थी और न गन्ने का समय पर भुगतान होता था। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार में बिजली, पानी, स्वास्थ्य, सड़क व्यवस्था ठीक हुई है। अब अराजकता के लिए कोई स्थान नहीं है। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष आकाश पाल, जिला महामंत्री राजन बिश्नोई, पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल, उप्र गौ सेवा आयोग के सदस्य दीपक गोयल, जिला मीडिया प्रभारी संजय ढाका, क्षेत्रीय मीडिया सह प्रभारी निमित्त, महानगर मीडिया प्रभारी राजीव गुप्ता व राहुल सेठी आदि उपस्थित रहे।

बॉर्डर के पास खेत में सर्च ऑपरेशन में मिला एक करोड़ कीमत का हेरोईन का पैकेट

बीकानेर (हिंस)। भारत-पाक अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर के नजदीक 38 केवाईडी के एक खेत में ग्वार की फसल के पास दो किलो 538 ग्राम मादक पदार्थ हेरोइन बरामद हुई है। बॉर्डर पार से ड्रोन के माध्यम से हेरोइन भारतीय सीमा में फेंकने की आशंका के बाद पुलिस व बीएसएफ की टीम ने संयुक्त सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। बरामद हेरोइन की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 16 करोड़ रुपए के करीब आंकी गई है। खाजूवाला पुलिस उप अधीक्षक अमरजीत चावला ने बताया कि बॉर्डर पर हेरोइन की खेप आने की पुख्ता सूचना के बाद सीमा सुरक्षा बल की 96वीं वाहिनी के साथ संयुक्त सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। इसमें खाजूवाला थानाधिकारी बलवंत कुमार के नेतृत्व में पुलिस दल और बीएसएफ के समादेष्टा रेशमपाल सिंह व इंटेलीजेंस के उप समादेष्टा महेश चंद जाट की अगुवाई में सफलता मिली। टीम को 38 केवाईडी के एक खेत में ग्वार

की फसल के पास एक पैकेट मिला। इसमें दो किलो 538 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। प्रथम दृष्टया यह हेरोइन पाकिस्तान से आई माना जा रहा है। यह खेत अंतर्राष्ट्रीय सीमा से साढ़े तीन किलोमीटर की दूरी पर है। पुलिस व बीएसएफ की टीम का सर्च ऑपरेशन चल रहा है।

आयोग अगले सप्ताह सरकार को भेजेगा प्रस्ताव

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा दिसंबर में कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) की परीक्षा संभावित है। इसको लेकर आयोग नवंबर की शुरुआत में ही नोटिफिकेशन जारी कर सकता है। सीईटी तीन साल के लिए मान्य होगा। साथ ही 4 गुना फार्मूले पर भी चर्चा की जा रही है। सीईटी परीक्षा को लेकर सरकार व आयोग में पत्राचार शुरू हो चुका है। हरियाणा में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनते ही 24 हजार युवाओं का रिजल्ट जारी करके नौकरी दी गई है। अगले सप्ताह आयोग इस संबंध में सरकार को फाइनल प्रस्ताव भेजकर परीक्षा कार्यक्रम का ऐलान कर सकता है। नोटिफिकेशन अगर नंवबर में आता है तो इसके बाद फार्म भरे जाएंगे और फिर दिसंबर तक सीईटी की परीक्षा भी कराई जा सकती है। हालांकि इस पर चर्चा की जा रही है कि परीक्षा एक दिन में हो होगी या अलग अलग दिनों में होगी। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने कहा कि सीईटी को लेकर प्रपोजल तैयार किया जा रहा है। यह प्रपोजल सरकार को भेजा जाएगा। इसमें सरकार से पूछा जाएगा कि सीईटी को एक दिन में कराया जाए या ज्यादा दिनों में। सरकार की अनुमति मिलने के बाद तिथि निर्धारित होगी।

दिसंबर में होगी सीईटी की परीक्षा आयोग अगले सप्ताह सरकार को भेजेगा प्रस्ताव

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा दिसंबर में कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) की परीक्षा संभावित है। इसको लेकर आयोग नवंबर की शुरुआत में ही नोटिफिकेशन जारी कर सकता है। सीईटी तीन साल के लिए मान्य होगा। साथ ही 4 गुना फार्मूले पर भी चर्चा की जा रही है। सीईटी परीक्षा को लेकर सरकार व आयोग में पत्राचार शुरू हो चुका है। हरियाणा में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनते ही 24 हजार युवाओं का रिजल्ट जारी करके नौकरी दी गई है। अगले सप्ताह आयोग इस संबंध में सरकार को फाइनल प्रस्ताव भेजकर परीक्षा कार्यक्रम का ऐलान कर सकता है। नोटिफिकेशन अगर नंवबर में आता है तो इसके बाद फार्म भरे जाएंगे और फिर दिसंबर तक सीईटी की परीक्षा भी कराई जा सकती है। हालांकि इस पर चर्चा की जा रही है कि परीक्षा एक दिन में हो होगी या अलग अलग दिनों में होगी। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने कहा कि सीईटी को लेकर प्रपोजल तैयार किया जा रहा है। यह प्रपोजल सरकार को भेजा जाएगा।

दीपावली पर मुस्लिम महिलाओं ने उतारी भगवान राम की आरती, अपने हाथों से रंगोली बनाई

वाराणसी (हिंस)। दीपावली पर्व पर गुरूवार को लमही स्थित सुभाष भवन में मुस्लिम महिलाओं ने भगवान राम की आरती उतारी। मुस्लिम महिला फाउंडेशन एवं विशाल भारत संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में जुटी मुस्लिम महिलाओं ने दीपावली के नाम पर नफरत फैलाने वालों को बड़ा संदेश भी दिया। इसके पहले मुस्लिम महिलाओं ने अपने हाथों से रंगोली बनाई। भगवान श्रीराम की प्रतिमा को पुष्पों से सजाया और उर्दू में लिखी राम आरती का गायन करते हुए भगवान की आरती उतारी। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पातालपुरी मठ के महंत बालक दास ने कहा कि हर पंथ और मजहब अपने सिद्धांतों और नियमों में इतने कड़े हैं कि मानवता का पाठ ही भूल गए। उन्होंने अपने तरीके से न रहने वालों को अस्वीकार कर दिया, लेकिन भगवान राम ने सबको हृदय से लगाया और सबको स्वीकार किया। इसलिए प्रत्येक देश को अपने यहां राम के महान आदर्शों को अपना कर शांति

स्थापित करें और नैतिक बल पर मानवता की रक्षा करें। मुस्लिम महिलाओं का यह प्रयास दिलों को जोड़ने वाला है। मुस्लिम महिला फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नाजनीन अंसारी ने कहा कि शांति स्थापना के लिए अनिवार्य शर्त भगवान श्रीराम के आदर्श और रामराज्य हैं। रामराज्य की परिकल्पना लोगों को भेदभाव से मुक्त कर सकती है और सबको गले से लगाकर स्वीकार कर सकती है। इजराइल और फिलिस्तीन दोनों को भगवान श्रीराम के रास्ते पर चलना चाहिए। यदि भारत का मुसलमान सबके बीच में प्रिय होना चाहता है तो अपने घरों में राम के चरित्र की शिक्षा दे। मजहब केवल अलग है लेकिन भारत का हर मुसलमान पूर्वजों, परम्पराओं और संस्कृति से एक ही है। भगवान राम ही पूरी दुनियां के पूर्वज हैं। उनके रास्ते पर चलकर ही दिलों में प्रेम और भावना विकसित होगी। विशाल भारत संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजीव ने कहा कि हिंदू और मुसलमानों के दिलों के बीच प्रेम और सद्भावना का रामसेतु बनाना होगा। प्रभु श्रीराम को लेकर दुनियां के लोग विचार कर रहे हैं। अपने परिवार और देश को बचाने के लिए राम नाम का ही सहारा है। प्रेम, शांति और रिश्तों को मजबूत करने के लिए बचपन से राम के चरित्र की शिक्षा दे ताकि बच्चे भी अपने माता-पिता और बुजुर्गों की सेवा को अपना कर्तव्य समझें। राम के सिवा दुनियां के पास अब कोई रास्ता नहीं बचा है। हिंदू मुस्लिम संवाद केंद्र की चेयरपर्सन डॉ. नजमा परवीन ने कहा कि नफरत को खत्म करने वाली संस्कृति सिर्फ भारत की संस्कृति है। क्योंकि यहां की आत्मा में राम बसते हैं। जो देश या व्यक्ति राम से दूर होगा उसकी दुर्गति निश्चित है। कार्यक्रम में डॉ. अर्चना भारतवंशी, डॉ. मृदुला जायसवाल, आभा भारतवंशी, खुर्शीदा बानो, रौशनजहां, नूरजहां, हफिजुननिशा, अजीजुननिशा, सायना, नरगिस, रुकैया बीबी, जुलेखा बीबी आदि ने भागीदारी की।

समाज को बांटने वालों में रावण-दुर्योधन का डीएनए : मुख्यमंत्री

गोरखपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वनटांगिया गांव जंगल तिकोनिया नंबर तीन में वनवासियों के साथ दीपावली मनाकर पर्व की खुशियां साझा कीं। वनग्राम में आयोजित दीपोत्सव में मुख्यमंत्री ने एक बार फिर सामाजिक एका का मंत्र देते हुए जाति, क्षेत्र, भाषा आदि के नाम पर समाज को बांटने वाले लोगों पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कोई जाति के नाम पर बांट रहा है, कोई क्षेत्र के नाम पर बांट रहा है, कोई भाषा के नाम पर बांट रहा है, कोई अव्यवस्था पैदा करने का काम कर रहा है। बांटने वाले इन तत्वों में रावण और दुर्योधन का डीएनए काम कर रहा है। जो काम त्रेतायुग में रावण ने किया, वही काम बांटने वाले कर रहे हैं। श्रीअयोध्याधाम में बुधवार को दीपोत्सव का नया विश्व कीर्तिमान रचने के बाद गुरुवार पूर्वाहन वनटांगिया गांव तिकोनिया नंबर तीन पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों के लिए 185 करोड़ रुपए की 74 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को दीपावली की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हम सभी को बांटने वाली ताकतों से सतर्क होकर एकजुट रहना होगा। अगर ऐसी ताकतों के धोखे में आकर उन्हें मौका दे दिया तो ये फिर वही काम करेंगे। गुंडागर्दी का, अराजकता, दंगा कराने का। ये कहीं ताड़का को भेजेंगे, कहीं खर दूषण को भेजेंगे। कहीं चण्ड मुण्ड को लेकर जाएंगे, अव्यवस्था पैदा करेंगे। बेटी-बहन की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करेंगे। कहीं गरीब की जमीन कब्जा करेंगे। कहीं व्यापारी का अपहरण करेंगे। कहीं राह चलते किसी राहगीर को गोली मारेंगे। कहीं पर्व और त्योहार के पहले दंगा भ ?काएंगे। 2017 के पहले ये लोग यही तो करते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब ऐसे तत्व जानते हैं कि जो सुरक्षा में सेंध लगाएगा, वह राम नाम सत्य की ओर चला जाएगा। अब कोई जबरन कानून हाथ में लेगा तो उसे मालूम है कि कानून उसको फांसी के फंदे तक लेकर चला जाएगा। कोई राह में किसी बहन-बेटी की इज्जत से खिलवाड़ करेगा तो उसे पता है कि यह रास्ता उसे दुर्योधन और दुशासन की गति प्रदान कर देगा। कोई दंगा कराकर पर्व और त्योहारों में खलल डालने

का काम करेगा तो उसे भी अंजाम पता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सरकार ने सबको बिना भेदभाव सुरक्षा, सम्मान, विकास और समृद्धि की गारंटी दे रखी है। सुरक्षित माहौल में ही समृद्धि आती है। सुरक्षित माहौल में ही उज्ज्वल भविष्य की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सात साल पहले इस वनटांगिया गांव में एक भी पक्का मकान नहीं था जबकि आज एक भी कच्चा मकान नहीं है। उन्होंने बताया कि यहां 770 पक्के मकान बनाए गए हैं, 800 से अधिक लोगों के राशन कार्ड बने हैं, चार हजार लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ मिल रहा है। 113 को वृद्धा पेंशन, 66 को निराश्रित पेंशन, 25 को दिव्यांगजन पेंशन और 12 बालिकाओं को सीएम कन्या सुमंगला योजना से लाभान्वित किया गया है। हर घर शौचालय है तो गांव में प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक स्कूल भी। एनआरएलएम के तहत यहां 38 महिला समूहों का गठन हुआ है और 882 लोगों के मनरेगा जॉब कार्ड भी बने हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनटांगिया गांवों को राजस्व गांव घोषित किया गया ताकि खुशहाली लाई जा सके। मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या में बुधवार को आयोजित भव्य और दिव्य दीपोत्सव की भावपूर्ण चर्चा करते हुए कहा कि राक्षसराज का अंत कर प्रभु श्रीराम जब 14 वर्ष बाद अयोध्या आए तो दीपावली मनाई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी दीपोत्सव कार्यक्रम होता है तो उसका प्रतिफल होता है रामराज्य की स्थापना होती है। रामराज्य वह होता है जहां शासन की योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव सबको मिलता है। न जाति, न भाषा, न क्षेत्र, न अगड़ा, न पिछड़ा, न छुआछूत-अश्पृश्यता का विभेद होता। किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं। यही कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दस वर्षों से लगातार भाजपा की सरकार कर रही है। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में

कैदियों के बच्चों को जेल से बाहर स्कूली शिक्षा का मौलिक अधिकार : हाईकोर्ट

कोर्ट ने सरकार से मांगी स्कीम

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जेल में जन्मे या मां बाप के साथ कैद में रह रहे बच्चों की स्कूली शिक्षा जेल से बाहर नियमित स्कूल में कराने के लिए राज्य सरकार को स्कीम तैयार करने का पूरा मौका दिया और 24 अक्तूबर 24 को फैसला लिखाना शुरू कर दिया। किंतु समय की कमी के चलते अंतिम फैसला लिखाने की अगली तिथि 20 नवंबर नियत की है। न्यायमूर्ति अजय भनोट ने कैदी रेखा की जमानत अर्जी की सुनवाई करते हुए सरकार को स्कीम तैयार करने का आदेश दिया था। याची के साथ जेल में रह रहा उसका पांच साल का बच्चा जेल के भीतर कैदियों के बच्चों की शिक्षा के लिए बने स्कूल में पड़ रहा है। कोर्ट ने इसे बच्चों के मूल अधिकारों के खिलाफ माना और कहा कि बच्चों के विकास के लिए जरूरी है उन्हें जेल में न रखा जाय। सामान्य बच्चों के साथ शिक्षा दी जाय। कोर्ट ने डायरेक्टर जनरल कारागार से प्रदेश के जेलों में रह रहे ऐसे बच्चों की बेहतरी की स्कीम तैयार करने को कहा। प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास व महानिदेशक कारागार उप्र ने हलफनामा दाखिल कर कहा कि प्रदेश सरकार ऐसे बच्चों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इस पर कोर्ट ने प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास, प्रमुख सचिव कारागार व डीजी कारागार को 24 अक्तूबर तक स्कीम पेश करने का समय दिया और इसके बाद अपना आदेश लिखाना शुरू कर दिया है। शेष आदेश 20 नवंबर को लिखाया जायेगा।

यौन शोषण के आरोपी जींद के एसपी का तबादला

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने बुधवार रात महिला पुलिस कर्मियों के यौन शोषण का प्रयास करने के आरोपी जींद के पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार समेत 10 जिलों के पुलिस अधीक्षकों के तबादले कर दिए। जिन जिलों के पुलिस अधीक्षक बदले गए हैं, उनमें करनाल, हिसार, रोहतक, भिवानी, दादरी, महेंद्रगढ़, डबवाली, हांसी और यमुनागर जिले शामिल हैं। कुल 33 आईपीएस और तीन एचपीएस अधिकारियों को स्थानांतरित किया गया है। एंटी करप्शन ब्यूरो के एसपी राजेश कुमार को जींद का नया पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। सुमित कुमार को अंबाला में एसपी रेलवे नियुक्त किया गया है। सभी अधिकारी एक नवंबर से अपना कार्यभार संभालेंगे।

सीमा सुरक्षा बल का *रन फॉर यूनिटी* का आयोजन

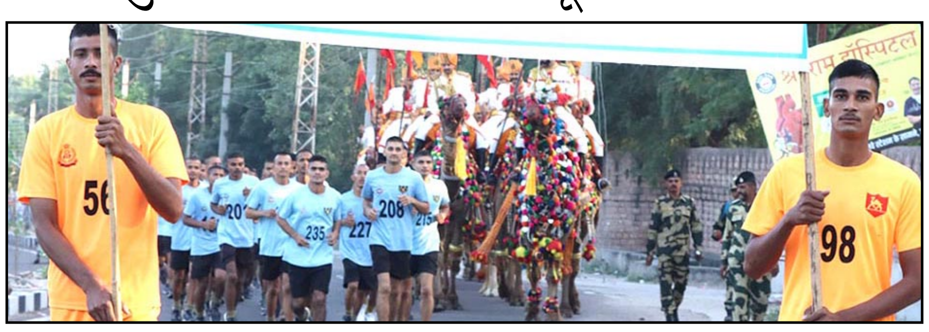

जैसलमेर (हिंस)। फ्रंटियर मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल, जोधपुर, राजस्थान द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। एम.एल गर्ग, महानिरीक्षक, फ्रंटियर मुख्यालय, राजस्थान द्वारा *रन फॉर यूनिटी* को हरी झंडी दिखाकर दौड का शुभारंभ किया गया। उपस्थित अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं जवानों द्वारा रन फॉर यूनिटी रैली में भाग लिया गया। यह रैली सहायक प्रशिक्षण केंद्र, सीमा सुरक्षा बल, जोधपुर से मेहरानगढ़ किले तक सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस रैली में सीमा सुरक्षा बल के ऊंट दस्ते ने भी भाग लिया, जिसका स्थानीय नागरिकों में खास आकर्षण रहा। यह कार्यकम सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर हर वर्ष 31 अक्तूबर को मनाया जाता है। जिसमें सीमा सुरक्षा बल द्वारा एकता की दौड लगाकर आम नागरिकों के लिए एकता का संदेश दिया जाता है, साथ ही एकता के प्रतीक के रूप में सभी मिलकर शपथ भी लेते हैं । इस अवसर पर एम.एल गर्ग, महानिरीक्षक द्वारा कहा कि सरदार पटेल ने भारत को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज का यह आयोजन हमें उनकी प्रेरणा को याद दिलाता है और एकता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

सरदार पटेल की जयंती और स्वर्गीय इंदिरा गांधी के शहादत दिवस पर निकाला गया एकता मार्च

भागलपुर (हिंस)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 149वीं जयंती और स्वर्गीय इंदिरा गांधी के शहादत दिवस के अवसर पर गुरुवार को एकता मार्च का आयोजन किया गया। एकता मार्च सबसे पहले भीखनपुर तीन मूर्ति चौक पहुंचा, जहां महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद भगत सिंह चौक पर भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कचहरी चौक स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। एकता मार्च में विधायक अजीत शर्मा, मेयर, आई एम ए के डॉक्टर सहित समाजसेवियों ने हिस्सा लिया। मार्च के दौरान इंदिरा गांधी अमर रहे और सरदार वल्लभभाई पटेल अमर रहे के नारे लगाते हुए लोग मार्च में शामिल हुए। वहीं इस अवसर पर विधायक ने कहा कि आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है। आज जहां इंदिरा गांधी ने देश के लिए शहादत दी, वहीं सरदार वल्लभ भाई पटेल

की जयंती है। दोनों महापुरुषों के द्वारा जो देश के लिए काम किए गए हैं। उस राह पर चलकर देश को आगे ले जाने की जरूरत है। मार्च के दौरान काफी संख्या में आम लोग भी शामिल थे।

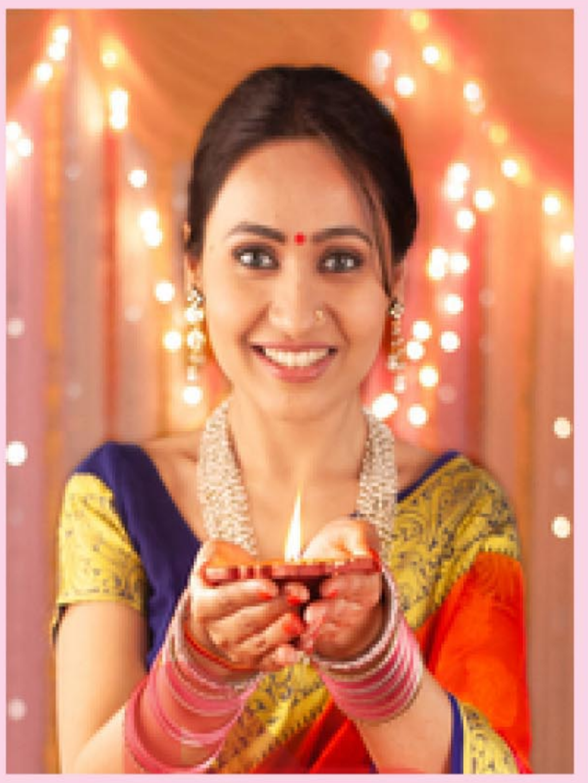

तमसो मां ज्योतिर्गमय

दीपावली हिंदुओं के प्रमुख त्यौहारों में अपना एक अलग और महत्वपूर्ण स्थान रखती है। अमावस्या की घोर अंदेरी रात में दीप मालिका का प्रकाश, सर्वत्र प्रदर्शित हर्ष-उल्लास और समृद्धि की देवी लक्ष्मी और गणेश पूजन हर्षो उल्लास तथा सुख-समृद्धि के प्रतीक इस पर्व के साथ कई आख्यान, किदवंतियां जुड़ी हैं। रामायण, महाभारत तथा पुराणों में भी इस पर्व का वर्णन मिलता है।

रामायण में वर्णित आख्यान के अनुसार भगवान रामचन्द्र जब चौदह वर्ष का वनवास और लंका के राजा रावण का वध करके कार्तिक अमावस्या के दिन आयोध्या वापस लौटे तो उन के आगमन पर कुल गुरु महर्षि वशिष्ठ ने उनका राजतिलक किया। इसी दिन श्रीराम के सकुशल लौट आने की खुशी में संपूर्ण अयोध्यावासियों ने लाखों दिए जलाकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की थी।

महाभारत में दीपावली का वर्णन -ज्योतिपर्व- के नाम से है तथा इसकी शुरुआत दैत्य नरकासुर के वध से मानी गयी है। कामरूप नामक देश में नरकासुर नामक राक्षस राज्य करता था। इस दैत्य के बारे में यह कहा जाता है कि उसने तीनों लोको (पृथ्वी, आकाश और पाताल) पर विजय पाई थी। इसके शासनकाल में राक्षसों के अत्याचार से मनुष्यों की तो बात ही देवता, ऋषि, मुनि आदि सबका जीना दुभर हो गया। तब दु:खी होकर इन लोगों ने भगवान कृष्ण से अपने जीवन की रक्षा के लिए प्रार्थना की। श्री कृष्ण ने नरकासुर की हत्या की, परन्तु मरते समय इस दैत्य ने भगवान कृष्ण के कहने पर यह वरदान मांगा कि उसकी मृत्यु पर दीपों का पर्व मनाया जाए और तभी से लोग इस दिन को ज्योति पर्व के रूप में मनाते आ रहे हैं।

विभिन्न पुराणों में भी दीपावली का पावन पर्व प्रारंभ होने के विषय में चर्चा मिलती है। कालिका पुराण के अनुसार एक बार जब राक्षस पाताल लोक से निकल कर पृथ्वी पर आने लगे और मनुष्यों पर नाना प्रकार के अत्याचार करने लगे तब उनके दु:ख को देखकर महाकाली क्रोधित हो उठीं। वह तुरंत अपने वाहन पर बैठकर राक्षसों का वध किया। धीरे-धीरे उनका रूप विकराल होता गया और इतना भयानक हो गया कि राक्षसों के साथ-साथ मनुष्य और ऋषि मुनि सब भय से कांपने लगे। जब राक्षसों का सर्वनाश उन्होंने कर लिया। तब स्वयं भगवान महादेव ने उनका रास्ता रोककर उनके क्रोध को शांत किया। महाकाली का क्रोध शांत होने पर सभी प्राणियों में हर्ष की लहर दौड़ गई। सबने इस खुशी में महाकाली के सौम्य रूप लक्ष्मी की पूजा की और दीप जलाकर उत्सव मनाया।

इसी तरह विष्णु पुराण में वर्णित कथा के अनुसार एक बार राजा बलि ने भरी तपस्या के बल पर तीनों लोकों पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया। देवताओं के राजा इन्द्र बलि की तपस्या एवं त्याग से भयभीत हो उठे। उनके मन में अपना इन्द्रासन छिन जाने का भय पैदा हो गया। तब उन्होंने राक्षस राज बलि के मानमर्दन के लिए ब्रह्मा एवं अनेक देवी-देवताओं के साथ विष्णु के पास सहायता मांगने गए। इन्द्र के आग्रह पर भगवान विष्णु ने वामन का रूप धारण करके बलि के पास गए और अहंकारी बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी। राजा बलि इस षड़यंत्र को समझ गया। किन्तु वह भगवान विष्णु को वामन रूप में देखकर इतना प्रभावित हुआ कि ब्राह्मण वेषधारी नारायण को तीन पग भूमि दान में दे दी। विष्णु ने तीनों पगों में राजा बलि के तीनों लोकों का राज्यनाम लिया। उन्होंने देवताओं के लिए स्वर्ग लोक, मनुष्यों के लिए मृत्यु लोक और दानवों को पाताल लोक दे दिया। विष्णु के आने की खुशी में राजा बलि ने दीप मलिकाएं प्रज्वलित कर उत्सव मनाया और तभी से दीपावली का उत्सव मनाने की प्रथा चल पड़ी। मार्कण्डेय पुराण में भी दीपावली का उत्सव माने जाने का संदर्भ मिलता है। एक प्रसंग में लिखा है कि लक्ष्मी की पूजा सर्वप्रथम नारायण ने स्वर्ग में की थी। उसके बाद भगवान शंकर तथा सृष्टिकर्ता ब्रह्मा ने उनका पूजन किया।

समुद्र-मंथन के समय जो रत्न निकले थे उनमें एक लक्ष्मी भी थी। भगवान विष्णु ने लक्ष्मी का पूजन करके अपनी बाम-भाग में उन्हें स्थान दिया। आदि पुरुष मनु ने भी लक्ष्मी का पूजन किया था। इसके बाद मनुष्यों ने लक्ष्मी पूजन किया था। इसके बाद मनुष्यों में लक्ष्मी पूजा का श्रीगणेश हुआ। उत्तर वैदिक काल में लक्ष्मी पूजा करने एवं रात्रि में दीप जलाने की प्रथा रही है। सिंधु घाटी सभ्यता के खंडहरों में मिले अवशेषों में दीपक के अंश मिले हैं, जिससे इस त्यौहार के प्रागैतिहासिक काल से मनाए जाने के तथ्य की पुष्टि होती है।

कई अन्य पौराणिक कथाएं भी लक्ष्मी पूजन तथा दीपावली पर्व मनाने के संदर्भ से जुड़ी है। एक पौराणिक कथन के अनुसार लक्ष्मी की बहन दरिद्रा थीं। वह जहां भी जाती वहीं गरीबी फैलाती थी। एक बार कार्तिक अमावस्या को लक्ष्मी अपनी बहन दरिद्रा के साथ मृत्युलोक में पधारी। दिन मृत्युलोक वासियों ने दरिद्रा द्वारा फलाए गए अंधकार को दूर करने के लिए घर-घर में मंगलदीप जलाए तथा सुख-समृद्धि की देवी लक्ष्मी का स्वागत और पूजा-अर्चना की।

एक अन्य पौराणिक आख्यान में वर्णन है कि भगवान विश्वनाथ से त्रिपुरासुर के वध का समाचार पाकर देवताओं ने स्वर्ग में दिए जलाए और भगवान शंकर तथा उनके पुत्र कार्तिकेय का स्वागत किया। तभी से यह पर्व दीपदान के रूप में सर्वत्र मनाया जाता है। इस तरह कुल मिलाकर दीपावली असत्य पर सत्य, असुरों पर सुरों की, अन्धकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक पर्व है। इसके साथ ही लक्ष्मी की पूजाकर हम सुख समृद्धि और शांति की कामना करते हैं।

लक्ष्मीजी की आरती

जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता ।
तुमको निसदिन सेवत हर-विष्णु-धाता ॥? जय...
उमा, रमा, ब्रह्माणी, तुम ही जग-माता ।
सूर्य-चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता ॥? जय...
तुम पाताल-निरंजनि, सुख-सम्पत्ति-दाता ।
जोकोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि-सिद्धि-धन पाता ॥? जय...
तुम पाताल-निवासिनि, तुम ही शुभदाता ।
कर्म-प्रभाव-प्रकाशिनि, भवनिधि की त्राता ॥? जय...
जिस घर तुम रहती, तहँ सब सद्गुण आता ।
सब सम्भव हो जाता, मन नहिं घबराता ॥? जय...
तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न हो पाता ।
खान-पान का वैभव सब तुमसे आता ॥? जय...
शुभ-गुण-मंदिर सुन्दर, क्षीरोदधि-जाता ।
रत्न चतुर्दश तुम बिन कोई नहिं पाता ॥? जय...
महालक्ष्मीजी की आरती, जो कई नर गाता ।
उर आनन्द समाता, पाप शमन हो जाता ॥? जय...

(आरती करके शीतलीकरण हेतु जल छोड़ें एवं स्वयं आरती लें, पूजा में सम्मिलित सभी लोगों को आरती दें फिर हाथ धो लें।)

परमात्मा की पूजा में सबसे ज्यादा महत्व है भाव का, किसी भी शास्त्र या धार्मिक पुस्तक में पूजा के साथ धन-संपत्ति को नहीं जोड़ा गया है। इस श्लोक में पूजा के महत्व को दर्शाया गया है-

पत्रं पुष्पं फलं तोयं यो मे भक्त्या प्रयच्छति।
तदहं भक्त्यु पहृतमश्नामि प्रयतात्मनः॥

पूज्य पांडुरंग शास्त्री अठवलेजी महाराज ने इस श्लोक की व्याख्या इस तरह से की है पत्र, पुष्प, फल या जल जो मुझे (ईश्वर को) भक्तिपूर्वक अर्पण करता है, उस शुद्ध चित्त वाले भक्त के अर्पण किए हुए पदार्थ को मैं ग्रहण करता हूँ।

दिवाली पर जलें आशाओं के दीप

दिवाली का त्योहार एक ऐसा त्योहार है जिसे हर इंसान बहुत ही हर्ष और उल्लास से मनाता है। परिवार के सभी लोग जहाँ भी हों दिवाली के दिन अपने परिवारजनों से मिलने पहुँच ही जाते हैं। भारत में ही नहीं विदेशों में बसे भारतीयों के लिए भी यह त्योहार रोशनी और खुशी से भरपूर होता है। इस दिन के लिए तो बच्चे महीनों इंतजार करते हैं। उनके लिए इस त्योहार का मतलब अच्छे कपड़े, पटाखे और मिठाइयाँ होता है।

हम सभी में से शायद ही कोई होगा जिसे इस त्योहार का इंतजार नहीं होता। लेकिन एक बार अगर हम अपनी सोच के दायरे को अपनी दुनिया से थोड़ा दूर बढ़ाएँ तो बहुत सी ऐसी चीजें नजर आएँगी, जिनके बारे में हम सोचना ही भूल जाते हैं।

हम अपनी और अपने परिवार की खुशियों में इतना खो जाते हैं कि दूसरों के दर्द, दु:ख और गम हमें नजर ही नहीं आते। हमारे लिए दिवाली का मतलब क्या है? यह तो हम समझ ही जाते हैं लेकिन देश के ताजा हालातों के बारे में जरा सोचिए! सोचिए उन परिवारों के बारे में जिन्होंने देश में हुए विभिन्न बम कांडों में अपने परिवार के लोगों को खो दिया! और उन लोगों का क्या जिसने अपने परिवार के एकमात्र कमाई के स्रोत को खो दिया! क्या आज भी उन लोगों के लिए दिवाली के वही मायने हैं जो हम सभी के लिए हैं। हमारे देश में इस त्योहार को शांति, समझ और विवेक के प्रतीक भगवान राम की वापसी के जश्न के रूप में मनाया जाता है। इस त्योहार पर जो हम पटाखे जलाकर खुश होते हैं वह बुराई के खात्मे को दर्शाता है।

लेकिन क्या इस बुराई का खात्मा हो पाया है? आज इंसान अपने स्वार्थ के चलते अपना विवेक खो चुका है। अगर इस दिवाली पर हम इस बात का निश्चय कर लें कि हम ज्यादा नहीं तो केवल अपने मन में भरी बुराइयों को खत्म कर अपने मन को शांति और विवेक से रोशन करेंगे तो तब तो दिवाली पर दीये जलाकर रोशनी फैलाने का कोई मतलब है। अन्यथा अगर दिलों में अंधेरा हो तो इस बाहरी रोशनी का क्या फायदा। अब जब हम सभी में इंसानियत का एक कतरा भी नहीं बचा तो उसके लौटने का जश्न क्यों? इस दिवाली पर हमें प्रण करना होगा कि दीपों की रोशनी से हम अपने मन में इंसानियत के दीप भी पज्जवलित करेंगे।

दीपावली लाए खुशियाँ ही खुशियाँ

त्योहार का नाम उत्साह व उमंग के साथ मेल-मिलाप का भी होता है। जब पूरा परिवार एक साथ हो, तभी त्योहार का असली मजा आता है। दीपावली का त्योहार भी ऐसा ही है, जब एक साथ मिल-बैठकर बातें करने का बहाना मिल जाता है।

आम दिनों में तो आदमी अकेलेपन का आदी हो जाता है किंतु जब त्योहार आते हैं तब अकेलापन उसे खलने लगता है और इसी अकेलेपन को दूर करने के लिए वह सब कुछ भूलकर अपने परिवार के पास चला जाता है।

एकल परिवार प्रणाली ने लोगों में भले ही दूरियाँ बना दी हैं, पर ये दूरियाँ तब मिट जाती हैं जब दीपावली पर परिवार के सभी सदस्य एक ही छत के नीचे एकत्रित होते हैं। तब इस त्योहार का मजा और भी बढ़ जाता है।

दादा-दादी की आँखें कब से अपने पोते-पोती को निहारने के लिए बैचेन हैं। दीपावली का यह त्योहार लक्ष्मी के आगमन के साथ ही हर चेहरे पर मुस्कुराहट लाता है। सभी का इंतजार खत्म होता है और मिल-जुलकर पूरा परिवार इस त्योहार के रंग में रंग जाता है।

हर घर दीये की रोशनी से रोशन होता है और सभी की ?जिंदगी में उजियारा छा जाता है। अमीर हो या गरीब- हर कोई इस त्योहार का पूरा-पूरा आनंद उठाता है।

सुख-समृद्धि की कामना के साथ लक्ष्मी पूजा की जाती है। इसमें घर की लक्ष्मी (महिलाएँ) पूजा में भाग लेती है। उसके बाद मेल-मिलाप का दौर शुरू होता है।

संस्कारों का निर्वहन करते हुए बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लेकर रिश्तों की डोर को मजबूती प्रदान की जाती है। संस्कारों के निर्वहन का यह त्योहार रिश्तों को सुदृढ़ व प्रगाढ़ बनाता है। आशा है यह दीपावली आपके परिवार में भी खुशियों की उमंगें लेकर आए।

मुझे नहीं लगता कि स्पिन के खिलाफ हमारी कुशलता में कोई कमी आई है : गौतम गंभीर

मुंबई (हि.स.)। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर मिली हार ने इस बात पर सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या भारत की टर्निंग ट्रैक पर खेलने की क्षमता में कमी आई है। हालांकि भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इस बात को मानने से इनकार कर दिया है कि भारतीय बल्लेबाजों के टर्निंग ट्रैक पर खेलने की क्षमता में कमी आई है, लेकिन उन्होंने व्यापक टी20 क्रिकेट खेलने के कारण बल्लेबाजों के रक्षात्मक कौशल में गिरावट की बात को माना है। मुंबई में तीसरे टेस्ट से एक दिन पहले गुरुवार को गंभीर ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि कभी-कभी आपको विपक्षी टीम को भी मौका देना पड़ता है। मुझे लगता है कि पिछले मैच में मिशेल सेंटनर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन हां, हम कड़ी मेहनत करते रहेंगे। हम बेहतर होते रहेंगे। बस इतना ही। खिलाड़ी नेट्स में काफी मेहनत कर रहे हैं। आखिरकार जब आप अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे होते हैं तो परिणाम ही मायने रखते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि स्पिन के खिलाफ हमारा कौशल वास्तव में कम हुआ है। भारतीय टीम बेंगलुरू में बेहद असामान्य परिस्थितियों में 46 रन पर बार ऑल आउट हुए, लेकिन उसके बाद से उन्होंने 54 रन पर 7, 73 रन पर 6 और 40 रन पर 5 विकेट गंवा दिए, जिससे उन्हें मुश्किल परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने के तरीके पर काम करना पड़ा। गंभीर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में सत्र खेलना ही सब कुछ है। मुझे लगता है कि अगर हम चार से साढ़े चार सत्र खेल लें, तो हम बोर्ड पर बहुत सारे रन बना लेंगे। इस बुनियादी मांग को पूरा करने में असमर्थता ने टी20 क्रिकेट के युग में आधुनिक बल्लेबाजों के सामने आने वाली चुनौती को उजागर किया

है। गंभीर ने कहा कि हमें बेहतर तरीके से बचाव करने की जरूरत है। मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो महत्वपूर्ण है। और खासकर टर्निंग ट्रैक पर। क्योंकि अगर आपको अपने डिफेंस पर भरोसा है, तो बहुत सी चीजें सुलझाई जा सकती हैं। और यह कुछ ऐसा है जिसे हमें बेहतर बनाने की जरूरत है, इस पर काम करते रहना है। क्योंकि, फिर से, मैं उसी जवाब पर वापस आऊंगा कि बहुत कुछ सीमित ओवरों के क्रिकेट और टी20 क्रिकेट से भी जुड़ा है, जब आप गेंद को इतनी ताकत से खेलने के आदी हो जाते हैं, तो आप नरम हाथों और उस सब चीजों को भूल जाते हैं, जो शायद आठ या 10 साल पहले हुआ करती थीं। तो यह कुछ ऐसा है, इसलिए मैंने कहा कि एक पूर्ण क्रिकेटर वह क्रिकेटर है जो टी20 प्रारूप को वास्तव में सफलतापूर्वक खेलता है और टेस्ट क्रिकेट को भी वास्तव में सफलतापूर्वक खेलता है। वह अपने खेल को अनुकूलित कर सकता है। और यही विकास है। मुंबई टेस्ट ऐसी परिस्थितियों में खेला जाएगा जो स्पिनरों के लिए भी मददगार साबित हो सकती हैं। गुरुवार की सुबह भारत के अभ्यास सत्र के अंत में, कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने सहायक कोच अभिषेक नायर के साथ पिच का बारीकी से निरीक्षण किया। इसके बाद कोहली चले गए, लेकिन गंभीर और गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल रोहित और नायर के साथ शामिल हो गए और चारों ने करीब 20 मिनट तक चर्चा की। थोड़ी देर बाद, ग्राउंड स्टाफ ने सतह पर चिपकी हुई घास को हटाना शुरू कर दिया। बल्लेबाजों को यहां अच्छा प्रदर्शन करने के लिए टी20 में सफल होने में मदद करने वाले कौशल को भूलना पड़ सकता है। लेकिन क्या यह संभव है? क्या कोई कोच उन्हें यह बदलाव करने में मदद कर सकता है? गंभीर ने कहा कि कुछ हद तक, हां, यह व्यक्तिगत स्तर पर भी आना चाहिए। वह गेंद को बचाने में कितना मूल्य देता है? यह ऐसी चीज है जो बहुत महत्वपूर्ण है। और खासकर टर्निंग ट्रैक पर। क्योंकि मेरा हमेशा से मानना रहा है कि इस प्रारूप में या किसी भी प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और सबसे सफल खिलाड़ी हमेशा ठोस डिफेंस रखते हैं। इसलिए यह ऐसी चीज है जिसके बारे में हम बात करते रहते हैं। और यह कोई रातों-रात होने वाली चीज नहीं है जिसके बारे में हम आज बात करने जा रहे हैं और लोग कल से बेहतर होने लगेंगे। लेकिन यह एक सतत प्रक्रिया है। हमें इस पर काम करते रहना चाहिए। हमें लोगों को डिफेंस के महत्व के बारे में बताते रहना चाहिए। क्या भारत को ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है, जहां उन्हें टेस्ट क्रिकेट के लिए ज़्यादा उपयुक्त खिलाड़ियों के एक अलग समूह पर विचार करना पड़े? गंभीर किसी काल्पनिक सवाल के लिए प्रतिबद्ध नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि आगे बढ़ते हुए, जाहिर है, हमें ऐसे खिलाड़ियों की पहचान करनी होगी जो ठोस लाल गेंद वाले क्रिकेटर हैं। क्योंकि अंततः, परिणाम प्राप्त करने के लिए, आपको ईमानदारी से तीन या चार दिन या पांच दिन तक कड़ी मेहनत करनी होगी। इसलिए कभी-कभी, जैसा कि मैंने अभी उल्लेख किया है, यह महत्वपूर्ण है। अगर हम सत्र में बल्लेबाजी कर सकते हैं, तो हम जानते हैं कि हमारे पास 20 विकेट लेने के लिए गेंदबाजी आक्रमण है। फिलहाल, इसका जवाब देना मुश्किल है।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए मार्को जानसन और कोएट्जी की दक्षिण अफ्रीका टीम में वापसी

जोहानसबर्ग (हि.स.)। मार्को जानसन और गेराल्ड कोएट्जी भारत के खिलाफ टी20आई श्रृंखला में अपनी अंतर्राष्ट्रीय वापसी के लिए तैयार हैं। इस बीच, क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) द्वारा हाल ही में शुरू किए गए कंडीशनिंग ब्रेक के हिस्से के रूप में, लुंगी एनगिडी को चयन के लिए नहीं चुना गया क्योंकि वह नवंबर में शुरू होने वाली श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारी कर रहे हैं। हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर और केशव महाराज 16 सदस्यीय टी20आई टीम का हिस्सा हैं, जो यूएई में व्हाइट-बॉल गेम से चूक गए थे। दूसरी ओर, कागिसो रबाडा को श्रृंखला के लिए आराम दिया गया है। ऑलराउंडर मिहलाली मोंगवाना को पहली बार टीम में शामिल किया गया है, जबकि टीम में अनकैप्ड ऑलराउंडर एंडिले सिमेलाने भी शामिल हैं, जो यूएई में टीम का हिस्सा थे। 24 वर्षीय मोंगवाना ने सीएसए टी20 चैलेंज में 12 विकेट लिए और सिमेलाने के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। 22 वर्षीय लेग स्पिनर नकाबायोमजी पीटर, जिन्होंने दो वनडे और चार टी20 मैच खेले हैं, टीम में दूसरे स्पिन विकल्प हैं। तबरेज शम्सी, जिन्होंने राष्ट्रीय अनुबंध से बाहर होने का विकल्प चुना था, को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए उपलब्ध होने के बावजूद नहीं चुना गया। दक्षिण अफ्रीका के व्हाइट-बॉल कोच रॉब वाल्टर ने टीम चयन को लेकर एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि यह हमारे लिए एक रोमांचक और महत्वपूर्ण श्रृंखला है क्योंकि हम 2026 में होने वाले टी20 विश्व कप की ओर बढ़ रहे हैं। टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है, और मैं हमें एक बहुत ही आक्रामक भारतीय टी20 टीम के खिलाफ कुछ बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं। तेज गेंदबाज एनरिक नोर्टजे, जिन्होंने राष्ट्रीय अनुबंध से बाहर होने का विकल्प चुना था, को भी टीम में शामिल नहीं किया गया है। वाल्टर ने कहा कि मैं ग्रुप में अन्य तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता देना चाहता था। एनरिक एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं, वह दुनिया भर की लीगों में खेलते हैं और हम जानते हैं कि हमें उनसे क्या मिलता है। हमें अपने कुछ अन्य गेंदबाजों को बेहतरीन विपक्षी टीमों के खिलाफ खेलने का मौका देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम अपने उच्च क्षमता वाले खिलाड़ियों को गुणवत्तापूर्ण प्रतिद्वंद्वी के सामने लाने की अपनी व्यापक प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाना जारी रखते हैं, क्योंकि हम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तैयार खिलाड़ियों के अपने आधार को व्यापक बनाना चाहते हैं, साथ ही साथ यह भी समझते हैं कि हमारा मुख्य उद्देश्य हमेशा की तरह एक ऐसा क्रिकेट खेलना है जो हमारे समर्थकों को उत्साहित करे और दक्षिण अफ्रीका के लिए क्रिकेट के खेल जीते। टीम 4 नवंबर को डरबन में एकत्रित होगी, जिसमें कप्तान एडेन मार्कराम, महाराज, रयान रिकेल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स, जो वर्तमान में बांग्लादेश में टेस्ट सीरीज खेल रहे हैं, 6 नवंबर को टीम में शामिल होंगे। चार टी20 मैच 8 (डरबन), 10 (ग्केबरहा), 13 (सेंचुरियन) और 15 (जोहान्सबर्ग) नवंबर को खेले जाएंगे। दक्षिण अफ्रीका टी20 टीम: एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, पैट्रिक क्रुगर, केशव महाराज, डेविड मिलर, मिहलाली मपोंगवाना, नकाबा पीटर, रयान रिकेलटन, एंडिले सिमलेन, लूथो सिपाम्ला, ट्रिस्टन स्टब्स।

भारत-मलेशिया मैत्री मैच 18 को

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत फीफा विंडो के दौरान 18 नवंबर को हैदराबाद के गाचीबोवली स्टेडियम में एक दोस्ताना मैच में मलेशिया की मेजबानी करेगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बुधवार को उक्त घोषणा की। इससे पहले यह मैच 19 नवंबर को होना था। फीफा रैंकिंग में मलेशिया फिलहाल 133वें स्थान पर है, जबकि भारत 125वें स्थान पर है। आखिरी बार दोनों टीमें अक्तूबर 2023 में मर्डेका कप सेमीफाइनल में भिड़ी थीं, जिसमें भारतीय टीम को 4-2 से हार का सामना करना पड़ा था। हैदराबाद के गाचीबोवली स्टेडियम ने सितंबर में इंटरकॉन्टिनेंटल कप की भी मेजबानी की थी, जहां भारत ने मॉरीशस के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ खेला था और फिर सीरिया से 0-3 से हार गया था। मनोलो मार्केज की टीम ने आखिरी बार 12 अक्तूबर को खेला था, जहां उसने वियतनाम में खेले गए मैच में 1-1 से ड्रा खेला था।

एशियाई शीतकालीन खेलों के लिए मशाल पदक और राष्ट्रगान का किया गया अनावरण

हार्बिन (हि.स.)। 2025 एशियाई शीतकालीन खेलों के लिए मशाल, पदक और राष्ट्रगान का बुधवार को आधिकारिक रूप से अनावरण किया गया। मशाल की ऊंचाई 735 मिमी है, जिसका शीर्ष व्यास 115 मिमी और पकड़ व्यास 50 मिमी है। डिजाइन की थीम कि उछाल, का उद्देश्य प्रकृति में जीवन की जीवंत और गतिशील ऊर्जा को पकड़ना है। यह इस बात का प्रतीक है कि 9वें एशियाई शीतकालीन खेल जीवन शक्ति और जुनून से भरे होंगे। समग्र मशाल डिजाइन में शास्त्रीय और आधुनिक चीनी कला का मिश्रण करते हुए अंतर्राष्ट्रीय सौंदर्य विशेषताओं को शामिल किया गया है। यह डिजाइन खिलते हुए बकाइन रंग का रूप लेता है, जिसमें चाइना रेड, लिलाक पर्पल और स्नो व्हाइट जैसे रंगों का समावेश किया गया है, जो हेइलोंगजियांग प्रांत की ईमानदारी, गर्मजोशी, खुलेपन और समावेशिता तथा मेजबान शहर हार्बिन की विशेषताओं का प्रतीक है। मशाल में एक बर्नर नोजल है जो एक खोखले केंद्र के साथ एक बकाइन पुष्प डिजाइन को जोड़ती है, जो एक त्रि-आयामी प्रभाव पैदा करती है। बाहरी आवरण एक खिले हुए बकाइन जैसा दिखता है, जो पारदर्शी बर्फ के क्रिस्टल से स्नो व्हाइट में परिवर्तित होता है। आंतरिक कोर चाइना रेड से बकाइन पर्पल में परिवर्तित होता है। जब जलाया जाता है, तो मशाल बर्फ और आग के विलय का प्रभाव प्रस्तुत करती है, जो चुनौती और जुनून से उत्पन्न होने वाली शीतकालीन खेलों की उज्ज्वल ऊर्जा को उजागर करती है।

नौवें एशियाई शीतकालीन खेलों में 80 से अधिक एथलीट भेजेगा मंगोलिया

उलानबटोर (हि.स.)। मंगोलिया पूर्वोत्तर चीन के हेइलोंगजियांग प्रांत के हार्बिन में होने वाले 9वें एशियाई शीतकालीन खेलों में 80 से अधिक एथलीट भेजेगा, मंगोलियाई राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (एमएनओसी) ने बुधवार को उक्त घोषणा की। एमएनओसी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि हार्बिन में होने वाले 2025 एशियाई शीतकालीन खेलों के लिए 100 दिन की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। हमारे देश के 80 से अधिक एथलीट 7 से 14 फरवरी तक होने वाले खेलों में भाग लेंगे। मंगोलियाई एथलीटों से नौ विषयों में प्रतिस्पर्धा करने की उम्मीद है, जिसमें बायथलॉन, शॉर्ट ट्रैक, फिगर स्केटिंग, कर्लिंग, अल्पाइन स्कीइंग और स्नोबोर्डिंग शामिल हैं।

HARBIN 2025
ASIAN WINTER GAMES

चेन्नईयिन के खिलाफ जीत दर्ज कर विजय की राह पर लौटना चाहेगी पंजाब एफसी

नई दिल्ली (हि.स.)। पंजाब एफसी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में आज रात जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चेन्नईयिन एफसी के खिलाफ मैच में जीत की राह पर लौटने का प्रयास करेगी। पंजाब का लक्ष्य अपने पिछले मैच में बेंगलुरु एफसी से 1-0 की करीबी हार के बाद वापसी करना है, जबकि उन्होंने इस सीजन के अपने पहले तीन मैचों में जीत हासिल की थी। वहीं, चेन्नईयिन एफसी ने अपने घरेलू मैदान पर एफसी गोवा के खिलाफ 2-2 से रोमांचक ड्रॉ खेला। वर्तमान में, पंजाब चार मैचों में नौ अंक लेकर तालिका में चौथे स्थान पर है, जबकि चेन्नईयिन पांच मैचों में आठ अंकों के साथ छठे स्थान पर है। मैच से पहले पीएफसी के मुख्य कोच पनागियोटिस दिलमपेरिस ने कहा कि हमारा पिछला मैच सकारात्मक नहीं रहा था, लेकिन हम अपनी रणनीति नहीं बदलेंगे। हम अपनी योजना पर कायम रहेंगे और खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की है और वे हमारी प्रक्रिया का पूरी तरह पालन कर रहे हैं। मैचों के बीच लंबे अंतराल से प्रवाह पर असर पड़ता है, लेकिन हमें स्थिति के अनुकूल बनना होगा और अपना खेल खेलना होगा। चेन्नईयिन एक अच्छी टीम है और हमें कल कड़ी चुनौती की उम्मीद है। पंजाब एफसी ने अपने चार मैचों में केवल तीन गोल खाए हैं और रक्षा में मजबूत बने हुए हैं, जिसमें इवान नोवोसेलेक ने प्रमुख भूमिका निभाई है। मिडफील्ड में निखिल प्रभु, विनीत राय और फिलिप मर्जलियाक का प्रदर्शन चारों मैचों में निरंतर अच्छा रहा है। निहाल सुदेश और एजेक्विएल विडाल पंखों से बेहतरीन खेल दिखा रहे हैं और फॉरवर्ड के लिए गोल में सहायता प्रदान करना चाहेंगे। पीएफसी फॉरवर्ड एजेक्विएल विडाल ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आईएसएल एक बहुत ही प्रतिस्पर्धी लीग है और मैं यहां अपने समय का आनंद ले रहा हूं।

पेरिस मास्टर्स 2024 : ज्वेरेव ने ग्रिक्सपुर को हराया

पेरिस (हि.स.)। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बुधवार को टालोन ग्रिक्सपुर पर 7-6(2), 6-3 से जीत के साथ अपने पेरिस मास्टर्स अभियान की शुरुआत की, जबकि चौथी वरीयता प्राप्त रूसी खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव एलेक्सी पोपिरिन से 6-4, 2-6, 7-6 (4) से हारकर बाहर हो गए। तीसरी वरीयता प्राप्त जर्मनी के ज्वेरेव डचमैन के खिलाफ शानदार फॉर्म में थे, उन्होंने 19 विनर्स लगाए, केवल नौ अप्रत्याशित गलतियां कीं और 92 मिनट के मुकाबले में मैच जीत लिया। मैच के बाद उन्होंने कहा कि मैंने अब तक जिन सबसे तेज कोर्टों पर खेला है उनमें से यह एक है। मुझे शुरुआत में अपनी लय हासिल करनी थी, लेकिन अंत में आकर खुश हूं। पूर्व यूएस ओपन चैंपियन मेदवेदेव, आगे बढ़ने में असफल रहे क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पोपिरिन दूसरे सेट की हार पर काबू पाकर अगले दौर में जगह पक्की कर ली।

दिल्ली कैपिटल्स द्वारा रिटेन नहीं किए जाने के बाद मेगा नीलामी में जाएंगे पंत

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) द्वारा रिटेन नहीं किए जाने के बाद ऋषभ पंत 2025 आईपीएल मेगा नीलामी में हाई-प्रोफाइल नामों में से एक होंगे। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, डीसी के स्वामित्व समूह और पंत के बीच बातचीत पिछले कुछ महीनों और बुधवार तक खिंचने के बाद विफल रही। हालांकि, फ्रैंचाइजी ने चार खिलाड़ियों को अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, ट्रिस्टन स्टब्स और अनकैप्ड भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिषेक पोरेल को बरकरार रखा है। नीलामी में डीसी के पास दो आरटीएम कार्ड विकल्प होंगे, और यह समझा जाता है कि वे पंत को वापस खरीदने का प्रयास करेंगे, जो 2016 में फ्रेंचाइजी में शामिल हुए थे और 2022 में कप्तानी संभाली थी। तीन कैप्ड और एक अनकैप्ड रिटेंशन के साथ, डीसी का पर्स कम से कम 47 करोड़ रुपए (18+14+11+ 4) से कम हो जाएगा और नीलामी में अपनी टीम बनाने के लिए उनके पास 73 करोड़ रुपए होंगे। पंत, कुलदीप, अक्षर और पोरेल सभी को डीसी ने पिछली नीलामी से पहले बरकरार रखा था। जहां फ्रैंचाइजी ने स्टब्स को उनके आधार मूल्य 50 लाख रुपए (उस समय लगभग 60,000 अमेरिकी डॉलर) में खरीदा था। डीसी में पंत के भविष्य से संबंधित घटनाओं में बदलाव नाटकीय रहा है। रिटेंशन की समयसीमा (गुरुवार को शाम 5 बजे समाप्त होने वाली है) से कई महीने पहले यह उम्मीद थी कि पंत डीसी के शीर्ष रिटेन्शन होंगे। हालांकि, यह पता चला है कि नेतृत्व समूह में हर कोई नहीं चाहता था कि वह फ्रेंचाइजी के कप्तान बने रहें। डीसी के दोनों सह-मालिकों, जीएमआर ग्रुप की किरण ग्रांधी और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के पार्थ जिंदल ने पंत के साथ व्यक्तिगत बैठकें कीं। यह पता चला है कि पंत के पास आगे बढ़ने के बारे में अपने विचार और सुझाव थे।

भारतीय टीम का नेतृत्व करना सम्मान की बात : उथप्पा

नई दिल्ली (हि.स.)। पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा हांगकांग सिक्सेस 2024 के दौरान भारतीय टीम का नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने टूर्नामेंट के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की और आगे कहा कि वह टीम के कप्तान बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। हांगकांग क्रिकेट की विज्ञप्ति के अनुसार उथप्पा ने कहा कि मैं हांगकांग सिक्सेस 2024 का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं और भारतीय टीम का नेतृत्व करना सम्मान की बात है। 1, 2 और 3 नवंबर को कुछ बेहतरीन क्रिकेट मुकाबले देखने को मिलेंगे। भारतीय टीम में केदार जाधव, मनोज तिवारी, स्टुअर्ट बिन्नी, श्रीवत्स गोस्वामी, भरत चिपली और शाहबाज नदीम जैसे खिलाड़ी शामिल होंगे। चिपली और गोस्वामी ने भी खेल के इस तेज-तर्रार रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करने पर अपनी खुशी व्यक्त की। चिपली ने कहा कि हांगकांग सिक्सेस 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व करना एक शानदार एहसास है, जिसमें कुछ रोमांचक मुकाबले और मनोरंजक प्रदर्शन सुनिश्चित हैं। वहीं, श्रीवत्स गोस्वामी ने कहा कि हांगकांग सिक्सेस खेल का एक विशिष्ट प्रारूप है और मैं भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता। भारत के लिए अहम भूमिका निभाने वाले ऑलराउंडर स्टुअर्ट बिन्नी दुनिया भर के कुछ बेहतरीन क्रिकेटरों के खिलाफ खेलने को लेकर रोमांचित हैं। उन्होंने कहा कि हांगकांग सिक्सेस 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व करने को लेकर रोमांचित हूं और दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित हूं। हांगकांग के कप्तान निजाखत खान ने कहा कि हांगकांग के सभी क्रिकेट प्रशंसक तैयार हो जाएं, क्योंकि हांगकांग सिक्सेस सात साल बाद वापस आ गया है। यह प्रतियोगिता 1 नवंबर से 3 नवंबर के बीच खेली जाएगी।

शेफील्ड शील्ड : हेजलवुड सीजन के पहले मैच के लिए तैयार, लियोन को आराम

नई दिल्ली (हि.स.)। जोश हेजलवुड शेफील्ड शील्ड के इस सीजन में न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) के लिए पहली बार खेलेंगे, वह भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी कर रहे हैं, जबकि नाथन लियोन को आराम दिया गया है। हेजलवुड को पिछले हफ्ते पैट कमिंस के साथ विक्टोरिया के खिलाफ वन-डे कप गेम खेलना था, लेकिन बीमारी के कारण मैच की सुबह ही उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया। इसका मतलब है कि क्वींसलैंड के खिलाफ शेफील्ड शील्ड मैच सितंबर के अंत में इंग्लैंड दौरे के खत्म होने के बाद उनका पहला मैच होगा और भारत के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले यह उनका एकमात्र प्रतिस्पर्धी मैच होगा। उम्मीद थी कि लियोन टेस्ट सीरीज से पहले तीन शील्ड मैचों में खेलेंगे, लेकिन उन्होंने साउथ ऑस्ट्रेलिया और विक्टोरिया के खिलाफ खेले गए दो मैचों में 104 ओवर फेंके हैं और यह समझा जाता है कि भारत का सामना करने से पहले उन्हें एक और मौका मिलने की संभावना नहीं है। शील्ड के तीसरे राउंड के लिए ऑस्ट्रेलिया वनडे और ऑस्ट्रेलिया ए के बुलावे से कई राज्यों को काफी नुकसान हुआ है। लियोन के साथ-साथ एनएसडब्ल्यू की पिछली एकादश में स्टीवन स्मिथ, मिशेल स्टार्क, सीन एबॉट, सैम कोंस्टास और जोश फिलिप शामिल नहीं हैं, क्योंकि ये दोनों सीरीज एक साथ चल रही हैं। ओली डेविस भी ऑस्ट्रेलिया ए टीम का हिस्सा हैं, लेकिन वे अगले हफ्ते एमसीजी में होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच में ही खेलेंगे, इसलिए क्वींसलैंड का सामना करने के लिए उपलब्ध हैं। और एनएसडब्ल्यू के लिए एक अच्छी बात यह है कि ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर चुके हैं। लियोन की अनुपस्थिति का मतलब है कि लेग स्पिनर तनवीर संघा एकादश में वापसी कर पाएंगे। मिचेल स्वेपसन क्वींसलैंड की कप्तानी करेंगे जबकि मार्नस लाबुशेन वनडे में खेलेंगे। अगले सप्ताह ऑस्ट्रेलिया ए के दूसरे मैच में जिमी पीयरसन विकेटकीपर होंगे। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के भी प्रमुख खिलाड़ी गायब हैं, नाथन मैकस्वीनी ऑस्ट्रेलिया ए की कप्तानी कर रहे हैं जबकि तेज गेंदबाज जॉर्डन बकिंघम, ब्रेंडन डोगेट और नाथन मैकएंड्रू टीम में हैं। एलेक्स कैरी, जो शानदार फॉर्म में हैं, विक्टोरिया के खिलाफ कप्तानी करेंगे। न्यू साउथ वेल्स की टीम- जैक्सन बर्ड, ओली डेविस, जैक एडवर्ड्स, मैथ्यू गिलकेस, क्रिस ग्रीन, रयान हैडली, जोश हेजलवुड, मोइसेस हेनरिक्स (कप्तान), निक मैडिनसन, ब्लेक निकितारस, कर्टिस पैटरसन, तनवीर संघा। क्वींसलैंड की टीम- मिशेल स्वेपसन (कप्तान), जैक क्लेटन, बेंजी फ्लोरोस, लियाम गुथरी, लैचलन हर्न, उस्मान ख्वाजा, एंगस लवेल, बेन मैकडरमोट, जिमी पीयरसन, मैथ्यू रेनशॉ, जैक सिनफील्ड, टॉम स्ट्रैकर, जैक वाइल्डरमथ। साउथ ऑस्ट्रेलिया की टीम- एलेक्स कैरी (कप्तान), हैरी कॉनवे, डैनियल ड्रू, हेनरी हंट, थॉमस केली, जेक लेहमैन, बेन मैनेंटी, कॉनर मैकइनर्नी, लॉयड पोप, जेसन संघा, लियाम स्कॉट, हेनरी थॉर्नटन।

2027 के अंत तक ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच बने रहेंगे एंड्रयू मैकडॉनल्ड

मेलबर्न (हि.स.)। ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड का अनुबंध 2027 के अंत तक बढ़ा दिया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बुधवार को उक्त घोषणा की। मैकडॉनल्ड के नेतृत्व में, जिन्होंने 2022 में यह पद संभाला था, ऑस्ट्रेलिया ने 2023 में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप और एकदिवसीय विश्व कप जीता, और वर्तमान में टेस्ट में नंबर 1 और एकदिवसीय और टी20 क्रिकेट में नंबर 2 पर है। मैकडॉनल्ड अब अगले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र के माध्यम से टीम का नेतृत्व करेंगे, और 2027 में एकदिवसीय विश्व कप खिताब का बचाव करने का मौका मिलेगा, साथ ही 2026 आईसीसी टी-20 विश्व कप और अगले साल की चैंपियंस ट्रॉफी में भी मौका मिलेगा।

देशभर में दिवाली की धूम

दीपावली का त्योहार हिंदू धर्म का एक बहुत ही प्रमुख त्योहार है, जिसे पूरे देशभर में बड़े ही धूम-धाम के साथ मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक माह की अमावस्या तिथि को भगवान राम 14 साल के वनवास काटने के बाद और रावण का वध करके वापस अयोध्या आए थे, जिसकी खुशी में अयोध्या वासियों ने पूरे नगर को दीपक जलाकर खुशियां मनाई थी। दीपावली के दिन माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है, जो धन और समृद्धि की देवी हैं। माना जाता है कि इस दिन लक्ष्मी जी पृथ्वी पर आती हैं और अपने भक्तों को धन और समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं। भारत के कुछ हिस्सों में दीपावली को नए साल की शुरुआत के रूप में भी मनाया जाता है, इस दिन नए काम की शुरुआत करना शुभ माना जाता है। इस बार दीपावली का पर्व आज यानी 31 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। दीपावली की शाम को किस शुभ मुहूर्त में लक्ष्मी- गणेश जी का पूजा करें। आइए जानते हैं। पंचांग के अनुसार, लक्ष्मी पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 5 बजकर 37 मिनट से 8 बजकर 45 मिनट तक रहेगा। यह समय देवी लक्ष्मी की पूजा और उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए सबसे उपयुक्त माना गया है। 31 अक्तूबर को लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त शाम 5 बजे से मध्य रात्रि तक रहेगा। इस दौरान घरों में साफ-सफाई करके, दीप जलाकर, और मां लक्ष्मी एवं भगवान गणेश की पूजा की जाती है, जिससे सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। सुबह जल्दी उठकर पूरे घर की अच्छे से साफ सफाई करें। ध्यान रखें दीपावली के दिन घर के किसी भी कोने में धूल या गंदगी जमा नहीं होनी चाहिए। मान्यता है कि लक्ष्मी मां सिर्फ ऐसे ही घरों में निवास करती हैं जहां साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है। सफाई के बाद स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें, इसके बाद घर के मंदिर या पूजा स्थल में पूजा अर्चना करें। इसके बाद शाम के समय की पूजा के लिए पूरे घर को फूल और पत्तियां से सजाएं। दरवाजों पर तोरण लगाएं और घर के मुख्य द्वार को विशेष रूप से सजाएं। मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए मुख्य द्वार और पूजा स्थल के पास रंगोली बनाएं। अब पूजा के लिए एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाकर उस पर लक्ष्मी गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करें। इस दिन धन की भी पूजा की जाती है इसलिए पूजा स्थल पर धन भी जरूर रखें। कुबेर जी की भी तस्वीर या प्रतिमा स्थापित करें। पूजा स्थल पर फूल, रंगोली और चंदन से सजावट करें। अब शुद्ध घी का दीपक और सुगंधित धूप जलाकर गणेश जी, लक्ष्मी जी और कुबेर जी को रोली, अक्षत, फूल आदि अर्पित करें और आरती करें। आप चाहें तो पूजा के दौरान लक्ष्मी मंत्र और कुबेर मंत्र का जाप भी कर सकते हैं। पूजा के बाद भोग लगाएं। इस दिन मां लक्ष्मी को खीर का भोग लगाना बहुत शुभ माना जाता है। पूजा के बाद पूरे घर में दीपक जलाएं।

दिवाली की रात धरती पर विचरण करतीं हैं देवी लक्ष्मी

दिवाली का त्योहार 31 अक्तूबर को पूरे देश भर में धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा करने का भी बड़ा महत्व है। माना जाता है कि, इस दिन सूर्यास्त के बाद माता लक्ष्मी धरती पर विचरण करती है। इसीलिए माता के भक्त इस दौरान पूजा-आराधना करते हैं और कई उपाय भी करते हैं। इस दिन जिस घर में माता की विधि-विधान से पूजा होती है वहां तो माता प्रवेश करती ही हैं, साथ ही कुछ विशेष उपाय भी इस दिन माता को आकर्षित करते हैं। ऐसे में आज हम आपको दिवाली की रात किए जाने वाले कुछ ऐसे उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको करने से देवी लक्ष्मी आपके घर की ओर स्वयं आकर्षित होती हैं। ये कार्य आपको लक्ष्मी कृपा दिलाते हैं और आपके जीवन में धन-धान्य की वृद्धि होती है। मां लक्ष्मी धन और संपत्ति की देवी हैं। ज्योतिष में मां लक्ष्मी का संबंध शुक्र ग्रह से जोड़ा जाता है। गणेश जी के साथ इनकी पूजा करने से धन और बुद्धि मिलती है। भगवान विष्णु के साथ इनकी पूजा करने से सम्पूर्ण सम्पन्नता मिलती है। शास्त्रों के अनुसार, मां लक्ष्मी की पूजा से केवल धन ही नहीं बल्कि नाम और यश भी मिलता है। इनकी उपासना से दांपत्य जीवन भी बेहतर होता है। धन की समस्या कितनी भी बड़ी हो, लेकिन अगर लक्ष्मी जी की विधिवत उपासना की जाए तो धन जरूर मिलता है। दिवाली पर गणपति पूजन से हर तरह की बाधा दूर होती है। भगवान गणपति की पूजा से धन लाभ के प्रयोग भी किए जाते हैं। गणेश जी की पूजा से संतान की आयु की रक्षा होती है। सेहत बेहतर होती है। श्री गणेश के पूजन से संतान को शिक्षा में उन्नति मिलती है। दीपावली के दिन आपको गाय के गोबर से एक दीपक बनाना चाहिए। इस दीपक में आपको पुराने गुड़ के कुछ टुकड़े डालने हैं और उसके बाद तेल डालकर दीपक को जलाना है। इस दीपक को दीपावली की रात को घर के मुख्य द्वार के मध्य भाग में आपको रख देना है। ऐसा करने से घर में सुख समृद्धि और संपन्नता आती है।

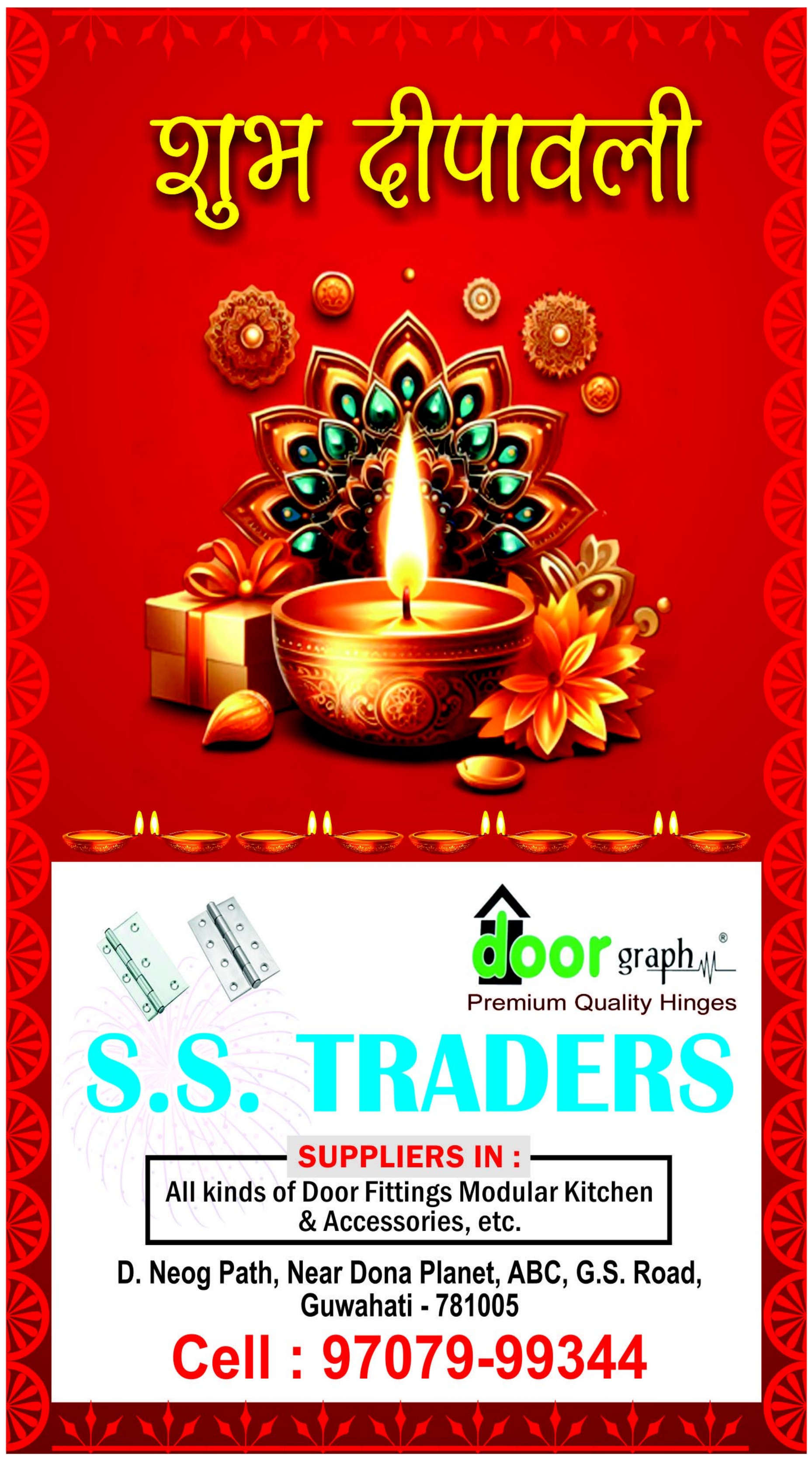

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)